राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 15, अंक 95 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, रविवार 15 फरवरी 2026 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

दलित विरोधी कांग्रेस' के खिलाफ आप ने पंजाब भर में किए विरोध प्रदर्शन

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब ने शुक्रवार को कांग्रेसी नेता और विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा द्वारा पंजाब के कैबिनेट मंत्री हरभजन सिंह ई.टी.ओ. के खिलाफ की गई शर्मनाक, जातिवादी और अपमानजनक टिप्पणियों के विरोध में पूरे राज्य में जोरदार प्रदर्शन किए। पार्टी ने कहा कि यह सिर्फ एक मंत्री का ही नहीं, बल्कि समूचे दलित समुदाय और अपनी रोजी-रोटी इज्जत से कमाने वाले मेहनतकश लोगों और मजदूरों का अपमान है। इन प्रदर्शनों में 'आप' नेताओं, मंत्रियों, विधायकों, पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय निवासियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। प्रदर्शनकारियों ने दलित-विरोधी कांग्रेस मुर्दाबाद और बाजवा मुर्दाबाद के नारे लगाए और मांग की कि बाजवा और कांग्रेस नेतृत्व दलित समुदाय और सभी मेहनतकश लोगों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगे। आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब के मीडिया प्रभारी बलतेज पन्नू ने दावा किया कि कांग्रेस की दलित विरोधी मानसिकता एक बार फिर पंजाब के लोगों के सामने बेनकाब हो गई है। पन्नू ने चेतावनी दी कि पार्टी राज्य में किसी को भी दलितों को नीचा दिखाने या श्रमिक वर्ग के लोगों की इज्जत को ठेस पहुंचाने की इजाजत नहीं देगी। बलतेज पन्नू ने कहा कि बाजवा की भाषा कांग्रेस पार्टी की दलितों के प्रति गहरी नफरत और हाशिए पर पड़े समुदायों को राजनीतिक अहंकार के कारण अपमानित करने के पुराने इतिहास को साफ दर्शाती है। उन्होंने कहा कि जहां 'आप' शासन, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और जनकल्याण में विश्वास रखती है, वहीं बाजवा जैसे कांग्रेसी नेता अभी भी उसी सामंती और जातिवादी मानसिकता में फंसे हुए हैं जिसे पंजाब बार-बार नकार चुका है। बलतेज पन्नू ने कहा कि बाजवा की टिप्पणी पंजाब के उन मेहनतकश लोगों का भी सीधा अपमान है, खासकर बैंड-बाजा बजाने वाले कलाकारों, दिहाड़ीदार मजदूरों और अन्य कलाकारों का, जो शादियों, धार्मिक समारोहों और सामाजिक कार्यक्रमों के दौरान अथक मेहनत करते हैं।

नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में मुख्यमंत्री हुए शामिल

सनातन परंपरा में भक्ति का विशेष महत्व- मुख्यमंत्री साय

सामुदायिक भवन निर्माण की घोषणा

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज जशपुर प्रवास के दौरान दुलदुला विकास खंड के ग्राम सिरीमकेला स्थित श्री नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर के पावन प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में सम्मिलित हुए। उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर देवाधिदेव महादेव से समस्त छत्तीसगढ़वासियों के सुख, समृद्धि और कल्याण की मंगलकामना की। महाशिवरात्रि के पावन पर्व के एक दिन पूर्व आयोजित इस आध्यात्मिक आयोजन को उन्होंने श्रद्धा, आस्था और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक बताया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने ग्राम सिरीमकेला में सामुदायिक भवन निर्माण की घोषणा करते हुए कहा कि इससे स्थानीय नागरिकों को सामाजिक, सांस्कृतिक एवं पारिवारिक आयोजनों के लिए सुदृढ़ आधार मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि कल हम सब महाशिवरात्रि का पावन पर्व मनाएंगे और इस अवसर पर आप सभी को हार्दिक बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि सिरीमकेला में भक्तों और अपने परिवारजनों के बीच आकर उन्हें आध्यात्मिक शांति और आनंद की अनुभूति हो रही है। भक्ति और श्रद्धा के इस अनूठे आयोजन में उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सनातन परंपरा को पुनर्स्थापित करते हुए अयोध्या धाम दर्शन योजना एवं मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के माध्यम से हजारों श्रद्धालुओं को

धार्मिक यात्राएँ करा रही है। श्रवण कुमार के पदचिन्हों पर चलने का प्रयास करते हुए अब तक प्रदेश के 42 हजार से अधिक तीर्थ यात्रियों को श्रीरामलला के दर्शन कराए जा चुके हैं।

उन्होंने कहा कि 500 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद अयोध्या धाम में श्री रामलला का भव्य मंदिर बनकर तैयार हुआ है और हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर आज ध्वज लहरा रहा है। प्रत्येक राम भक्त की आस्था 500 वर्षों तक प्रज्वलित रही — यह एक ऐसा यज्ञ था जिसकी लौ कभी नहीं डगमगाई। हम सब निमित्त मात्र हैं, जो अपने भांचा राम के दर्शन उनके भव्य मंदिर में कर रहे हैं और श्रद्धालुओं को करा पा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज नीलकंठेश्वर महादेव का दर्शन पाकर वे स्वयं को अत्यंत सौभाग्यशाली महसूस कर रहे हैं।

दशहरा पर्व के दिन नीलकंठ के दर्शन को अत्यंत शुभ माना जाता है और आज प्राण-प्रतिष्ठा के उपरांत यहाँ निरंतर दर्शन लाभ मिलना हम सबके लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि जशपुर में मधेश्वर महादेव स्थित हैं, जिसे लोक मान्यता के अनुसार एशिया का सबसे बड़ा प्राकृतिक शिवलिंग कहा जाता है। सनातन परंपरा में भक्ति का विशेष महत्व है और राज्य सरकार भक्तों का सम्मान करती है। सावन माह में भोरमदेव मंदिर में कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा कर हर वर्ष आस्था प्रकट की जाती है।

ईरान पर कार्रवाई की मांग: रजा पहलवी ने दुनिया के नेताओं को दी चेतावनी, कहा- चुप्पी साधने से तानाशाही बढ़ती है

तेहरान (एजेंसी)। ईरान के निर्वासित क्राउन प्रिंस रजा पहलवी ने विश्व नेताओं से ईरान सरकार पर दबाव बढ़ाने की अपील की है। जर्मनी के म्यूनिख में सुरक्षा सम्मेलन के दौरान उन्होंने कहा कि अगर लोकतांत्रिक देश चुप बैठे रहे तो ईरान में और जानें जाएंगी। उन्होंने चेतावनी दी कि तेहरान के खिलाफनिष्क्रियता बुलियों और दमनकारी शासन को बढ़ावा देती है। उन्होंने समर्थकों से कई देशों में सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन करने का आह्वान किया।

रजा पहलवी ने म्यूनिख में प्रेस वार्ता के दौरान ग्लोबल डे ऑफ एक्शन का ऐलान किया। उन्होंने समर्थकों से म्यूनिख, लॉस एंजेलिस और टोरंटो में प्रदर्शन करने को कहा।

उनका कहना है कि इन प्रदर्शनों का मकसद ईरानी जनता के समर्थन में ठोस और तुरंत अंतरराष्ट्रीय कदम उठाने का दबाव बनाना है। उन्होंने पूछा कि क्या दुनिया ईरान की जनता के साथ खड़ी होगी या नहीं। ईरान पर दबाव ऐसे समय बढ़ा है जब अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने तेहरान को उसके परमाणु कार्यक्रम को और सीमित करने की चेतावनी दी है।

नम आंखों से शहीदों को नमन, परिवारों ने याद किए अपने वीर सपूत

पुलवामा हमले की 7वीं बरसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। साल वर्ष पहले पुलवामा हमले में शहीद हुए बहादुर सैनिकों के परिवारजनों की आंखें आज भी नम हैं। सातवीं बरसी पर देशभर में शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। पंजाब के अलग-अलग जिलों में शहीद जवानों के परिवारों ने अपने वीर सपूतों को याद किया। गुरदासपुर के दीनानगर में सीआरपीएफ कांस्टेबल मनिंदर सिंह की शहादत की बरसी पर श्रद्धांजलि सभा रखी गई। कार्यक्रम में चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट हरप्रीत सिंह, कर्नल विश्वनाथ (25 एमएसी यूनिट) और लेफ्टिनेंट बी.एस. नेगी (3

जम्मू और कश्मीर लाइट इन्फैंट्री) समेत कई लोगों ने उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। मनिंदर सिंह के भाई लखविश सिंह अत्री ने उस दिन को याद करते हुए बताया कि जब छुट्टी खत्म करके जवान 14 फरवरी 2019 को अपनी ड्यूटी पर लौट रहे थे, पुलवामा जिले में हुए आतंकी हमले में 40 जवान शहीद हो गए थे और मेरा भाई भी उनमें से एक था।लखविश सिंह अत्री ने कहा, घर में चल रहे काम को लेकर उनसे आखिरी बात हुई थी। वे उस समय जम्मू पहुंचे थे। शाम को समाचारों से पता चला कि पुलवामा में आतंकी हमला हुआ है। इससे मुझे भी अपने भाई की चिंता हुई थी। मैंने भाई को फोन किया, लेकिन वह बंद था। लगभग आधे घंटे बाद यह पुष्टि हुई कि हमले में मेरा भाई भी शहीद हुआ है। हमें दुख था, लेकिन इस बात का गर्व भी था कि मेरे भाई ने देश के लिए अपना बलिदान दिया है।

खबर-खास

बंसुला स्कूल में आयोजित हुआ संकुल स्तरीय टी एल एम मेला

बसना (समय दर्शन)। शासन के आदेशानुसार उच्च प्राथमिक विद्यालय बंसुला में 14 फरवरी शनिवार को संकुल स्तरीय टी एल एम शिक्षा अधिगम सामग्री प्रदर्शनी मेला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में अतिथि के रूम में सरपंच नवीन साहू,संकुल प्राचार्य खिरोद मलिक, कुड़ेकेल के प्रधान पाठक सुशील सिंहा, संकुल समन्वयक गोवर्धन डड़सेना, कस्तूरबा विद्यालय से गीतांजलि नाग मैडम उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के द्वारा सरस्वती माता का पूजन कर किया गया, उसके पश्चात राजेश भोई सर ने तिलक लगाकर सभी का स्वागत किया। इस अवसर पर सिंहा सर ने सभी शिक्षकों को टी एल एम बनाकर कक्षा में अध्यापन करने के कहा तथा उसके महत्व को बताया। इस मेला में कुड़ेकेल से संतोषी साहू, मुड़पहार से पदमिनी साहू, पोटापारा से शशि कुमार साव, परसकोल से दुर्गा सिदार,कस्तूरबा स्कूल से किरण मलिक,बंसुला से मंदाकिनी प्रधान, सीता साहू, पुष्पांजली बगरती सभी अपने अपने टीएलएम का प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम मे मिडिल एवम् प्राथमिक विद्यालय बंसुला के बच्चों ने भी स्वयं द्वारा बनाए हुए मॉडलों का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रधान पाठक प्रवीर कुमार बेहेरा के द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन संकुल समन्वयक गोवर्धन डड़सेना ने किया।

पूर्व माध्यमिक शाला अरेकेल में विज्ञान विषय में रुचि बढ़ाने विभिन्न गतिविधियों का आयोजन

बसना (समय दर्शन)। शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय अरेकेल में बाल विज्ञान परिषद् द्वारा विज्ञान विषय के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।बाल विज्ञान परिषद् के संयोजक प्रेमचन्द साव द्वारा खेल-खेल में एवं विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से विज्ञान विषय का अध्यापन करवाकर विज्ञान शिक्षण के प्रति रुचि जागृत किया जा रहा है।बिगलेस डे शनिवार के तहत बच्चों को फील्डस्कोप दिखाया गया।इस अवसर पर विज्ञान शिक्षक प्रेमचन्द साव ने कहा कि फील्डस्कोप एक पॉकेट माइक्रोस्कोप है जो प्रयोगशाला पर रखे पारंपरिक माइक्रोस्कोप के बराबर या उससे भी बेहतर आवर्धन क्षमता के साथ छोटे छोटे वस्तुओं एवं सूक्ष्मजीवों को बड़ा करके दिखाया जा सकता है।कक्षा छठवीं से आठवीं तक छात्र छात्राएं फील्डस्कोप के बारे में विस्तार पूर्वक जान पाए।छात्रों की प्रतिक्रिया बेहद अच्छी रही।फील्डस्कोप से संबंधित विभिन्न जानकारियां एवं क्रियाविधि विज्ञान शिक्षक से जान पाए।

महाशिवरात्रि पर्व पर भगवान शिव जी की प्राण प्रतिष्ठा व रूद्राभिषेक

साजा (समय दर्शन)। ठेलका समीपस्थ ग्राम बेलतरा में महाशिवरात्रि पर्व पर भगवान शिव जी की प्राण प्रतिष्ठा व रूद्राभिषेक का भव्य आयोजन किया गया है। आयोजन को लेकर समिति के पदाधिकारियों द्वारा तैयारी पूरी कर ली गई है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को पधारने के लिए आमंत्रित किया गया है।

सेना में भर्ती हेतु अधिसूचना जारी, युवाओं के लिए सुनहरा अवसर

धमतरी (समय दर्शन)। सेना भर्ती कार्यालय रायपुर द्वारा जानकारी दी गई है कि भारतीय सेना में भर्ती के लिए 13 फरवरी 2026 को अधिसूचना जारी कर दी गई है। यह अधिसूचना भारतीय सेना की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है।

सेना में भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 13 फरवरी 2026 से प्रारंभ होकर 01 अप्रैल 2026 तक संचालित की जाएगी। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी निर्धारित तिथि के भीतर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

अधिसूचना के अंतर्गत अग्निवीर पुरुष (जनरल ड्यूटी), तकनीकी, लिपिक/स्टोरकीपर, ट्रेड्समैन (दसवीं पास), ट्रेड्समैन (आठवीं पास), अग्निवीर महिला (सेना पुलिस) तथा स्थायी कैडर के अंतर्गत नर्सिंग असिस्टेंट, नर्सिंग असिस्टेंट (वेट) एवं सिपाही फार्मा के पदों हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस एग्जाम का आयोजन संभावित रूप से 01 जून से 10 जून 2026 के मध्य किया जाएगा। परीक्षा की तिथि एवं अन्य विस्तृत जानकारी अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी। अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए सेना भर्ती कार्यालय, नया रायपुर (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के समीप) में हेल्पडेस्क की व्यवस्था की गई है। किसी भी प्रकार की जानकारी अथवा स्पष्टीकरण हेतु दूरभाष क्रमांक 0771-2965212 एवं 0771-2965214 पर संपर्क किया जा सकता है।

भारतीय सेना में चयन प्रक्रिया पूर्णत: पारदर्शी एवं योग्यता आधारित है।

नागरिक सहकारी बैंक दुर्ग के डायरेक्टर पद के चुनाव में रुंगटा पैनल ने लहराया परचम

डायरेटर के कुल 12 पदों में से 10 पदों पर रुंगटा पैनल का कजा

दुर्ग (समय दर्शन)। नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित दुर्ग के कुल 12 में से 9 संचालक मंडल सदस्य पद (डायरेक्टर) के लिए शनिवार को हुए चुनाव में रुंगटा पैनल के 8 प्रत्याशियों ने धमाकेदार जीत दर्ज की, जबकि परिवर्तन पैनल को एक प्रत्याशी की जीत से ही संतोष करना पड़ा। जीत पर रुंगटा पैनल के प्रत्याशियों और समर्थकों ने गाजे बाजे की धुन में नाच गाकर अपनी खुशियों का ईजहार किया। विजयी प्रत्याशियों को बधाईयों का तांता लगा हुआ है। संचालक मंडल सदस्य पद (डायरेक्टर) के घोषित चुनावी परिणाम के अनुसार सामान्य वर्ग से प्रत्याशी मनोज ताम्रकार, ज्ञानेश्वर ताम्रकार, कमल नारायण रुंगटा, संजय सिंह, पवन कुमार जैन (बड़जात्या),

राजेश यादव ने जीत दर्ज की है, वहीं महिला वर्ग के लिए आरक्षित पद पर सुनीता अग्रवाल और नीलू देवांगन ने अपना परचम लहराया है। पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित एक पद पर तेजबहादुर बंछोर ने शानदार जीत दर्ज की है। बता दें कि इस चुनाव में सनदी लेखाकार (चार्टर्ड एकाउटेंट) के लिए आरक्षित दो पद पर श्रीपाल कोठारी, अरविंद चंद सुराना और अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आरक्षित एक पद पर श्रीमती वसुन्धरा चौरे पहले ही निर्विरोध निर्वाचित घोषित की गई है। इस चुनाव में रुंगटा पैनल की कमान नवनिर्वाचित डायरेक्टर कमल रुंगटा संभाले हुए थे। चुनाव में रुंगटा पैनल से 10 प्रत्याशियों के जीत कर आने से रुंगटा पैनल में खुशियों का माहौल है। परिवर्तन पैनल का नेतृत्व नवनिर्वाचित डायरेक्टर राजेश यादव के हाथों में था। परिवर्तन पैनल से दो प्रत्याशी डायरेक्टर बने है। नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित दुर्ग के कुल 12 में से 9 संचालक मंडल सदस्य पद (डायरेक्टर) के लिए शनिवार को श्री गुर्जर क्षत्रिय गुजराती समाज भवन मोतीपारा में प्रत्यायुक्त सदस्यों ने उत्साह के साथ मतदान किया।

फूलों की खुशबू में डूबा राजेन्द्र पार्क : रंगोली, संस्कृति और संगीत का अनोखा संगम

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम द्वारा आयोजित आठवां फ्लावर शो शनिवार को बड़ी धूमधाम से आरंभ हुआ। सुबह 11 बजे जैसे ही कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, पूरा राजेन्द्र पार्क रंग-बिरंगे फूलों की खूबसूरती से खिल उठा। सुबह से लेकर देर रात तक लोगों की भारी भीड़ उमड़ती रही। परिवार, बच्चे, युवा और बुजुर्ग सभी इस अनोखी पुष्प प्रदर्शनी का आनंद लेने पहुंचे। फ्लावर शो में ऑपरेशन सिंदूर रंगोली ने सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। फूलों और प्राकृतिक रंगों से बनी यह विशाल रंगोली हर किसी की सेल्फी का बैकग्राउंड बन गई। रंगोली के सामने फोटो खिंचवाने और वीडियो बनाने की लोगों में होड़ लगी रही।फूलों का मनमोहक संसार: प्रदर्शनी में दिखीं अनोखी आकृतियाँ

कार्यक्रम में सैकड़ों प्रजातियों के रंग-बिरंगे फूलों की प्रदर्शनी लगाई गई। विभिन्न कलात्मक आकृतियों फूलों से बना बादक, प्राकृतिक आकृतियाँ, फूलों के आकर्षक ढांचे ने आगंतुकों को खूब लुभाया। प्यारी खुशबू के साथ इन फूलों की सजावट ने पूरे पार्क को एक उत्सव स्थल का रूप दे दिया।

बच्चों के लिए आयोजित ड्राइंग में पर्यावरण पर आधारित रंगीन कलाकृतियाँ देखने मिलीं। वहीं चाक से दीए बनाने के स्टॉल ने बच्चों को खूब आकर्षित किया। बच्चों की लंबी कतारें और उनके उत्साह को देखकर कार्यक्रम स्थल पूरी तरह जीवंत लगा। फ्लावर शो में मनोरंजन के लिए गीत-संगीत का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्कूली बच्चों और कलाकारों ने छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति पर आधारित शानदार प्रस्तुतियाँ दीं। पारंपरिक वेशभूषा और लोक धुनों ने माहौल को और भी रंगीन बनाया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की विशेष उपस्थिति रही साथ ही कई विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे जिनमें स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव,सांसद विजय बघेल,महापौर अल्का बाघमार,आयुक्त सुमित अग्रवाल,सभापति श्याम शर्मा,पर्यावरण प्रभारी काशीराम कोसरे के अलावा एमआईसी सदस्य, पार्षदगण, अधिकारी-कर्मचारी तथा भारी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

शास प्राथ शाला ललितपुर में नेवता भोज का सतत आयोजन

बसना (समय दर्शन)। बसना विकासखंड के शासकीय प्राथमिक शाला ललितपुर, संकुल केंद्र जमदरहा में प्रधान पाठक गफ्फार खान के नेतृत्व में नेवता भोज का सतत आयोजन हो रहा है।

नेवता भोज कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डिजेंद्र कुर्रे(संकुल समन्वयक जमदरहा) , शा वि स अध्यक्ष: नेहरूलाल साहू,और उपस्थित अतिथियों द्वारा सरस्वती माता के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। तत्पश्चात उपस्थित अतिथियों का स्वागत प्रधान पाठक गफ्फार खान द्वारा किया गया।

शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और समिति सदस्यों द्वारा विद्यालय के लिए 30 नग भोजन प्लेट प्रधान पाठक को भेंट किए।

नेवता भोज कार्यक्रम में रामेश्वरी चौहान(शाला प्रबंधन समिति सदस्य) द्वारा स्वेच्छा से पीएम पोषण योजना अंतर्गत नेवता

भोज का आयोजन आंशिक रूप से कराया गया। इस मौके पर उनके परिवारजन व कक्षा पांचवीं में अध्ययनरत उनकी पुत्री सुमन चौहान उपस्थित रहीं। रामेश्वरी के परिवार वालों का स्वागत अभिनंदन प्रधान पाठक गफ्फार खान द्वारा किया गया। तत्पश्चात सुमन को शैक्षणिक सामग्री भेंट देकर उनके उज्वल भविष्य की कामना की गई।

नेवता भोज में केला,जलेबी ,मिक्चर, बिस्किट, अमरूद ,चाकलेट, खजूर ,बेर, नारियल वितरित किया गया। नेवता भोज का आनंद सभी बच्चों ने खुशी खुशी मे लिया। नेवता भोज देने के लिए ललितपुर के प्रधान पाठक गफ्फार खान ने रामेश्वरी चौहान एवम उनके परिवार को धन्यवाद दिया।इस नेवता भोज कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधान पाठक गफ्फार खान ने कहा, नेवता भोज का आयोजन प्रति माह सामुदायिक सहयोग से सतत रूप में हो रहा है जो बहुत ही खुशी की बात है। शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष नेहरूलाल ने कहा कि नेवता भोज के सतत आयोजन सेआज हमारे वनांचल के क्षेत्र में इस प्रकार का आयोजन होना गर्व की बात है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डिजेंद्र कुर्रे ने भी संबोधित किया । नेवता भोज के कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि, लगातार 15 वी बार नेवता भोज का आयोजन करना अपने आप में एक अनुठी मिशाल है । उन्होंने प्रधान पाठक की नेतृत्व क्षमता, रणनीति, और कार्ययोजना की जमकर तारीफ करते हुए बच्चो को उनके उज्वल भविष्य की कामना किये।आज के कार्यक्रम में शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष नेहरूलाल साहू , उपाध्यक्ष खेमकुमारी साहू , भागबतीया, दसमोती कुमारी बाई,अंजली साहू ,महेत्तरीन,बुधियारीन, आंगनबाड़ी सहायिका गायत्री उपस्थित थे।

पत्रकार कल्याण महासंघ छत्तीसगढ़ जिला ईकाई महासमुंद की बैठक संपन्न

संघ के विस्तार करने एवं मजबूत बनाने की गई आवश्यक चर्चा

सरायपाली(समय दर्शन)। पत्रकार कल्याण महासंघ छत्तीसगढ़ जिला ईकाई महासमुंद की बैठक वरिष्ठ पत्रकार दिलीप गुप्ता के मुख्य आतिथ्य एवं सेवक दास दीवान प्रदेश अध्यक्ष की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

भोजन सत्र पश्चात बैठक में पत्रकार साथियों के हित संवर्धन, सुरक्षा एवं संघ के विस्तार व मजबूत बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। आगामी 29 अप्रैल को चौथे स्थापना दिवस को भव्य रूप से मनाने का निर्णय लिया गया। स्थापना दिवस पर प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को आमंत्रित किये जाने उपस्थित पत्रकार साथियों ने अपनी सहमति प्रदान की।

बैठक को संबोधित करते हुए वरिष्ठ पत्रकार दिलीप गुप्ता ने कहा कि पत्रकारिता का पहले का दौर अभी में काफी फर्क आ गया है। पत्रकारिता का स्तर काफी गिर चुका है। निष्पक्ष रूप से पत्रकारिता को करें और प्रमाणिकता के साथ खबर को चलायेंगे तो किसी को भी पूछने की आवश्यकता नहीं है।हमारा काम है सच को आईने की तरह दिखाना। पत्रकारिता के इस सफर में बहुत सी मुश्किलें आयेंगी इससे घबराना नहीं है।हमे सच को आईने की तरह दिखाते हुए निरंतर आगे बढ़ना है। भाई सेवक दास दीवान कर्मठ एवं जुझारू व्यक्ति है निश्चित रूप से पत्रकार कल्याण महासंघ छत्तीसगढ़ में अव्वल की श्रेणी में रहेगा।एक अच्छी सोच के साथ आगे बढ़िये हम आप लोगों साथ हैं। प्रदेश अध्यक्ष सेवक दास दीवान ने संघ के उद्देश्य, नीति सिध्दांतों को विस्तार से जानकारी दी। पत्रकार साथियों के हित संवर्धन, सुरक्षा को लेकर पूरे प्रदेश में लगातार काम कर रहे हैं। प्रत्येक जिले में संगठन को मजबूत बनाने की दिशा में अग्रसर हो रहे हैं। एक परिवार की भांति संघ को आप सभी के सहयोग से चला रहे हैं। एक सबके लिए, सब एक के लिए इन्ही सिध्दांतों से पत्रकार कल्याण महासंघ छत्तीसगढ़ चल रहा है। पत्रकार सुरक्षा कानून लागू किये जाने को लेकर शासन से मांग किये जाने पर भी गहन चर्चा की गई। बैठक का संचालन अभय धृतलहरे जिला महासचिव ने कुशलता पूर्वक करते हुए पत्रकार साथियों के एक जुटता पर जोर दिया।एक रहेंगे नेक रहेंगे, कोई भी संघ या संगठन हो एकता में ही बल होता है। भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में कहा है संघे शक्ति युगे युगे,इसी को चरितार्थ करते हुए कार्य करना है तो अवश्य संघ मजबूत होगा। उपस्थित सभी पत्रकार साथियों ने अपने अपने विचारों को साझा किया। मनोज गिरी गोस्वामी को जिला संयुक्त सचिव नियुक्त किया गया। बैठक के पश्चात् वरिष्ठ पत्रकार दिलीप गुप्ता की धर्मपत्नी श्रीमती मीना गुप्ता के निधन पर दो मिनट मौन रखकर श्रद्धा सुमन अर्पित की गई। बैठक में नये सदस्यता ग्रहण करने वाले सुनील कुमार, जगदीश पटेल, दीपक पटेल, हेमसागर प्रधान,भरत चौहान का फूल माला पहनाकर आत्मीय स्वागत किया गया। बैठक में प्रमुख रूप से राजूकीर्ति चौहान प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, प्रकाश पटेल संभागीय उपाध्यक्ष,इस्माइल खान जिलाध्यक्ष सारंगढ़ बिलाईगढ़, सुनील बरेठ कार्यकारी जिलाध्यक्ष सारंगढ़ बिलाईगढ़,गेंददास मानिकपुरी जिलाध्यक्ष महासमुंद, देवराज साहू जिला सचिव, देशराज दास जिला संगठन सचिव,जिला उपाध्यक्ष द्वय गेवेन्द्र काले , इब्राहिम कादरी,सोहेल अकरम ब्लॉक अध्यक्ष महासमुंद,कुंजराम रात्रे, मनोज गिरी गोस्वामी,जीवन ध्रुव, फिरोज खान, गोवर्धन नंदे आदि उपस्थित थे।

ट्रैफिक कंट्रोलिंग गाड़ी में सवार आरक्षक को ट्रेलर ने मारी ठोकर , गंभीर घायल

बिलासपुर। सड़कों पर यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने में जुटी हाईवे पेट्रोलिंग की शासकीय गाड़ी को एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में ड्यूटी पर तैनात आरक्षक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना बुधवार रात करीब 9 बजे सकरी-सेंदरी मार्ग पर काके ढाबा के पास हुई।मिली जानकारी के अनुसार, आरक्षक रघुराज शासकीय वाहन क्रमांक ष्टत 03 9578 से हाईवे पेट्रोलिंग ड्यूटी पर थे। उसी दौरान काके ढाबा के पास सड़क के बीच एक वाहन खड़ा होने से जाम की स्थिति बन गई थी। ट्रैफिक को सुचारू करने के लिए आरक्षक ने पेट्रोलिंग वाहन आगे बढ़ाया। इसी दौरान सकरी की ओर से आ रहे एक अज्ञात ट्रेलर चालक ने तेज एवं लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए पेट्रोलिंग गाड़ी को पीछे से टक्कर मार दी।टक्कर इतनी जोरदार थी कि आरक्षक रघुराज के दाहिने हाथ की कलाई और कंधे में गंभीर चोटें आईं। उन्हें तत्काल उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद उनकी स्थिति खतरे से बाहर बताई गई है। हादसे के बाद ट्रेलर चालक मौके से फरार हो गया।आरक्षक की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात ट्रेलर चालक के खिलाफलापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने का मामला दर्ज कर लिया है।

शासकीय प्राथमिक शाला बिलखंड में धूमधाम से मनाया गया वार्षिक उत्सव, शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

बसना (समय दर्शन)। शासकीय प्राथमिक शाला बिलखंड में वार्षिक उत्सव का भव्य आयोजन हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक चातुरी नंद बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुई।

उनके साथ विधायक प्रतिनिधि रमेश पटेल,ग्राम पंचायत सरपंच भानुप्रताप पटेल, उपसरपंच फागुलाल बरिहा, बीईओ बद्रीविशाल जोल्हे, बीआरसीसी अनिलसिंह साव, संकुल समन्वयक, प्रधान पाठक विजय कुमार धृतलहरे, सहायक शिक्षक शंभुसिंह पारेश्वर, एसएमसी अध्यक्ष अभ्यास भोई, उपाध्यक्ष कुंजराम यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी एवं अभिभावक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। इस अवसर पर सभी अतिथियों एवं उपस्थितजनों ने हाल ही में हुए पोलवा हमले में शहीद हुए वीर जवानों की स्मृति में दीप प्रज्वलित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। पूरे परिसर में दो मिनट का मौन रखकर शहीदों के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया। अपने संबोधन में विधायक श्रीमती चतुरी नंद ने विद्यार्थियों को शिक्षा के महत्व से अवगत कराते हुए कहा कि, प्राथमिक शिक्षा ही भविष्य की मजबूत नींव होती है। उन्होंने बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करने और अपने माता-पिता एवं विद्यालय का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही विद्यालय परिवार की सराहना करते हुए शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को निरंतर प्रोत्साहित करने की बात कही। इसके पश्चात विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। देशभक्ति गीत, नृत्य, नाटक एवं कविताओं की प्रस्तुति ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। नन्हे-मुन्ने बच्चों की प्रतिभा और आत्मविश्वास की सभी ने मुक्त कंठ से प्रशंसा की। कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया तथा अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया।

सरकार की योजनाओं आम जनमानस के बीच ले जाने के लिए कड़ी के रूप में कार्य करें - सुरेंद्र कौशिक

दुर्ग (समय दर्शन)। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष अरविंदर खुराना,रिसाली मंडल अध्यक्ष अनुपम साहू, मरोदा पुरैना मंडल अध्यक्ष राजू जंघेल के नेतृत्व में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक से सौजन्य भेंट की भेंट करने वाले कार्यकर्ताओं से जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने पार्टी की रीति नीति और संगठनात्मक दायरे में रहकर संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नवीन कार्यकारिणी अल्पसंख्यक मोर्चा , रिसाली और मरोदा पुरैना की कार्यकारिणी की घोषणा सभी नए दायित्व धारी उनकी ऊर्जा उनकी क्षमता उनकी योग्यता के आधार पर घोषित किया गया है संगठन का प्रत्येक कार्यकर्ता केंद्र की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी , मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की नेतृत्व वाली सरकार की जनहित कार्य योजनाओं को जन-जन के बीच लेकर जाएं और उन योजनाओं के लाभ उन्हें दिलाने के लिए एक कड़ी के रूप में कार्य करें आप सभी के परस्पर संगठनात्मक कार्य से संगठन और मजबूत हो आप सभी से मैं अपेक्षा करता हूं आप सभी आपके नवीन दायित्व के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

जिला अध्यक्ष से सौजन्य भेंट करने वालों में अल्पसंख्यक जिला उपाध्यक्ष शेख शकील महेश जैन एम आई फिरोजी अजी मैथ्यू,जिला महामंत्री सिंघाडा सिंह सोढी,जमील खान, मंत्री सतविंदर सिंह धयान सिंह ममता जैन बबलू चौरे विवेक जैन, रिसाली मंडल उपाध्यक्ष अजीत चौधरी सरिता महिलांग बॉबी दास सचिन गोस्वामी महामंत्री दशरथ साहू गुड्डू झा मंत्री तरसेम कौर राजेश्वरी पसीने धनेश्वरी नेताम प्रेमचंद साहू, मरोदा पुरैना मंडल उपाध्यक्ष राजू राम दुर्गेश साहू आरती पांडेय महामंत्री पुनाराम कलिहारी नरेंद्र निर्मलकर मंत्री रंजन सिन्हा, शेष जांगड़े आदि उपस्थित थे।

संकुल केन्द्र बड़ेटेमरी में टीमएलएम मेला का आयोजन

बसना (समय दर्शन)। संकुल स्त्रोत केन्द्र समग्र शिक्षा बड़ेटेमरी में संकुल स्तरीय टीएलएम मेला का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार लहरे, डीएमसी महासमुंद रेखराज शर्मा, विकासखंड शिक्षा अधिकारी बद्री विशाल जोल्हे, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी लोकेश्वर सिंह कँवर तथा विकासखंड स्त्रोत केंद्र समन्वयक अनिल सिंह साव के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

आयोजन का नेतृत्व संकुल नोडल प्राचार्य हरेकृष्ण बेहरा एवं संकुल समन्वयक वारिश कुमार द्वारा किया गया। झरूरू मेले नवाचार और रचनात्मकता के साथ शिक्षकों ने दिखाया शैक्षणिक उत्कृष्टता का प्रदर्शन।

इस झरूरूमेले में संकुल केन्द्र बड़ेटेमरी के अंतर्गत आने वाले बारह प्राथमिक विद्यालय एवं दो उच्च प्राथमिक विद्यालयों से 1-1 शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र -छात्राएं प्रतिभागी के रूप में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को नवाचार के लिए प्रेरित करना एवं बच्चों के लिए शिक्षण को रोचक, सरल एवं प्रभावी बनाना था। इस झरूरू मेले में शासकीय प्राथमिक शाला डूमरपाली से जयकुमार पटेल , शासकीय प्राथमिक शाला बड़ेटेमरी से श्रीमती नीलम कुमार, शासकीय प्राथमिक शाला आश्रम छोटेटेमरी से आनंद कुमार कर , शासकीय प्राथमिक शाला छोटेटेमरी से श्रीमती तंजू साव ,शासकीय प्राथमिक शाला

पर्रापाट से श्रीमती शोभा नायक , शासकीय प्राथमिक शाला भठोरी से शब्बीर अहमद खान , शासकीय प्राथमिक शाला जलकोट से श्रीमती मंजूलता खान , शासकीय प्राथमिक शाला हबेकांटा से शंकरलाल अग्रवाल, शासकीय प्राथमिक शाला पठियापाली से श्रीमती कंचन कुमर्रा, शासकीय प्राथमिक शाला चिर्राचुआं से बिशम्भर ठाकुर, शासकीय प्राथमिक शाला खवासपाली से ललित कुमार भार, शासकीय प्राथमिक शाला सराईपाली से गुलाबराय पटेल शासकीय उच्च प्राथमिक शाला बड़ेटेमरी से चम्पतलाल चौधरी तथा शासकीय उच्च प्राथमिक शाला हबेकांटा से पीरितलाल पटेल ने सहभागिता की। टीएलएम मेला कार्यक्रम में यह जानकारी दी गई कि चयनित उत्कृष्ट टीएलएम को आगामी विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिता में बसना भेजा जाएगा । इस अवसर पर विकासखंड कार्यालय बसना से निरीक्षण में आये विकासखंड शिक्षा अधिकारी बद्री विशाल जोल्हे , विकासखंड स्त्रोत केन्द्र समन्वयक समग्र शिक्षा अनिल सिंह साव ,वरिष्ठ व्याख्यातागण शरद कुमार प्रधान,कौशिक कुमार सामल,पुरुषोत्तम साहू, कन्हैयालाल साव, श्रीमती कुमुदिनी पटेल, संकुल समन्वयक गिधली गजेन्द्र नायक,एफएलएन डीआरजी शरण कुमार दास, अंगना म शिक्षा प्रभारी श्रीमती मीना सहारे एवं संकुल स्तर के पदाधिकारियों ने चयनित शिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए भविष्य में और अधिक रचनात्मक कार्य करने हेतु प्रेरित किया। पश्चात अधिकारीयों द्वारा सभी प्रतिभागियों को मोमेंटो, पेन, कॉपी,कलर पेन्सिल देकर पुरुस्कारित किया गया, स्वलपाहार उपरांत टीएलएम मेला का समापन हुआ। यह झरूरू मेला न केवल शिक्षकों के लिए सीखने का मंच बना, बल्कि यह साबित हुआ कि नवाचार और रचनात्मकता के माध्यम से शिक्षा को और अधिक प्रभावशाली बनाते हुए एन ई पी 2020 अंतर्गत एफएलएन के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा एवं वन मंत्री केदार कश्यप ने पशुपालकों एवं बिहान दीदियों के साथ किया आधुनिक डेयरियों का भ्रमण

गुजरात के बनासकांठा की डेयरी क्रांति से सीख लेने पहुँचा छत्तीसगढ़ का दल

रायपुर।छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा एवं वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री केदार कश्यप ने गुजरात के मेहसाणा जिले के बनासकांठा स्थित प्रसिद्ध दूधसागर डेयरी, बनास डेयरी एवं अमूल डेयरी का पशुपालकों एवं बिहान दीदियों के साथ शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान दोनों मंत्रियों ने डेयरी की आधुनिक कार्यप्रणाली, तकनीकी नवाचारों और सहकारी मॉडल का विस्तृत अवलोकन किया। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल को डेयरी के अधिकारियों द्वारा संपूर्ण उत्पादन प्रक्रिया की जानकारी दी गई। उपमुख्यमंत्री एवं वन मंत्री ने डेयरी प्लांट, बायो-सीएनजी प्लांट, खाद्य तेल इकाई, आटा प्लांट तथा शेरपुरा डेयरी कोऑपरेटिव सोसायटी का निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं को करीब से समझा।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि यह भ्रमण केवल अवलोकन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे सीखकर छत्तीसगढ़ में लागू करने का अवसर है। उन्होंने प्रतिभागियों से सफल डेयरी मॉडल, दुग्ध संकलन प्रणाली, गुणवत्ता नियंत्रण, प्रसंस्करण तकनीक और विपणन व्यवस्था का गहन अध्ययन करने को कहा।

उन्होंने बताया कि इस शैक्षणिक भ्रमण से प्रतिभागियों को संतुलित चारा विकास, उन्नत पशुपालन तकनीक, दुग्ध प्रसंस्करण, डेयरी उत्पाद निर्माण तथा विपणन की व्यवहारिक जानकारी प्राप्त होगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ग्रामीण महिलाओं और पशुपालकों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सतत प्रयासरत है। बिहान समूहों के माध्यम से महिलाओं को संगठित कर आर्थिक गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है, वहीं पशुपालन विभाग द्वारा दुग्ध उत्पादन बढ़ाने और आय संवर्धन के लिए विभिन्न योजनाएँ संचालित की जा रही हैं।

वन, पर्यावरण एवं सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि डेयरी सहकारी मॉडल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने का सशक्त माध्यम है। यदि इस मॉडल को छत्तीसगढ़ में प्रभावी ढंग से अपनाया जाए तो पशुपालकों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि संभव है और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

उल्लेखनीय है कि इस शैक्षणिक भ्रमण में 50 सदस्यीय दल ने उन्नत पशुपालन एवं डेयरी प्रबंधन सीखने के लिए भाग लिया है। जिसमें 25 पशुपालक एवं 25 बिहान (एनआरएलएम) समूह की दीदियाँ शामिल है। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा एवं वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री केदार कश्यप भी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करने के साथ पूरे शैक्षणिक भ्रमण में उनके साथ शामिल हो रहे हैं।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयास रंग लाए: वनांचल के सुदूर टोलों में पहुंचेगी बिजली

रायपुर। जंगलों के बीच बसे जिन टोलों ने पीढ़ियों तक अंधेरे को अपनी नियति मान लिया था, वहां अब उजाले की पहली किरण पहुंचने जा रही है।सूरजपुर जिले के ओड़गी विकासखंड के तीन सुदूर ग्रामों में आज़ादी के दशकों बाद पहली बार नियमित बिजली पहुंचाने के लिए 3 करोड़ 6 लाख 92 हजार 670 रुपये की बड़ी स्वीकृति जारी की गई है। यह महत्वपूर्ण पहल महिला एवं बाल विकास मंत्री तथा भटगांव विधायक श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के विशेष प्रयासों से संभव हो पाई है।

सूरजपुर जिले के भटगांव विधानसभा क्षेत्र के ग्राम मसंकी, बांक और असुरा के कई मजरा-टोले अब तक मुख्य विद्युत लाइन से कटे हुए थे। रात ढलते ही यहां घना अंधेरा छा जाता था और ग्रामीण ढिबरी या सीमित सोलर लाइट के सहारे जीवन यापन करने को विवश थे। बच्चों की पढ़ाई, किसानों का कार्य और सामान्य जनजीवन अंधेरे की मार झेल रहा था। क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान ग्रामीणों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने ऊर्जा विभाग और राज्य स्तर पर पहल कर इन टोलों के विद्युतीकरण का प्रस्ताव आगे बढ़ाया।

'मुख्यमंत्री मजराटोला विद्युतीकरण योजना' के तहत स्वीकृत इस राशि से ग्राम मसंकी के लुकभुकिया और पतेरीपारा, ग्राम बांक के खासपारा और स्कूलपारा तथा ग्राम असुरा के खासपारा, पण्डोपारा और असुरा-1 में विद्युत विस्तार कार्य किया जाएगा। करोड़ों की लागत से होने वाला यह कार्य न केवल घरों को रोशन करेगा, बल्कि शिक्षा, कृषि और स्वरोजगार के नए अवसर भी सृजित करेगा।

सबसे बड़ी चुनौती वन भूमि की अनुमति थी। चूंकि संबंधित टोले घने जंगलों के बीच स्थित हैं, इसलिए विशेष स्वीकृति आवश्यक थी। मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े की पहल पर विभागीय स्तर पर आवश्यक अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्राप्त कर लिया गया है और अब शीघ्र ही जमीनी स्तर पर कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा है कि राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि प्रदेश का कोई भी घर अंधेरे में न रहे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विद्युत सुविधा उपलब्ध होने से बच्चों को अध्ययन में सुविधा मिलेगी, किसानों को कृषि कार्यों में सहूलियत होगी तथा स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार और लघु उद्यमों को प्रोत्साहन मिलेगा। यह पहल वनांचल क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी।

सड़कों और पुलों से बदल रही तस्वीर, दूरस्थ गांव मुख्य धारा से जुड़ रहे

रायपुर। सड़कों और पुलों के निर्माण के बाद विकास व समृद्धि के रास्ते अब साफनजर आने लगे हैं। सरकार ने अंदरूनी और दूरस्थ इलाकों को मुख्य मार्गों से जोड़ने को प्राथमिकता देते हुए बड़े पैमाने पर सड़क और पुल-पुलियों के निर्माण को मंजूरी दी है। इससे जिन इलाकों में पहले आवागमन कठिन था, वहां अब सालभर संपर्क बना हुआ है। लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी आसान हुई है और विकास कार्यों को नई गति मिली है।

पिछले दो वर्षों में कांकेर जिले में 61 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत से 15 पुलों के काम पूर्ण किए गए हैं। इन पुलों के बनने से जिले के लगभग 100 गांवों और करीब 80 हजार आबादी का सीधा और बारहमासी संपर्क ब्लॉक, तहसील और जिला मुख्यालय से हो गया है। अब ग्रामीणों को शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार और पर्यटन जैसी सुविधाओं तक पहुंचने में पहले जैसी परेशानी नहीं होती। सरकारी योजनाएं भी तेजी से गांवों तक पहुंच रही हैं। आतुरबेड़ा भैसगांवङ्कनिन्ना मार्ग पर चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में मेंढ़की नदी पर बना उच्च स्तरीय पुल इस बदलाव का बड़ा उदाहरण है। इस पुल के कारण सुदूरांचल के लोगों का आवागमन सुगम हुआ है और प्रशासनिक गतिविधियों को भी मजबूती मिली है। सड़क और पुल नेटवर्क के विस्तार से न सिर्फविकास कार्य तेज हुए हैं, बल्कि माओवाद प्रभावित रहे इलाकों में शासन की पकड़ भी मजबूत हुई है। सड़कों और पुलों के नेटवर्क लगातार मजबूत किए जा रहे हैं। कांकेर जिले के कोने-कोने को राज्य मार्ग, राष्ट्रीय राजमार्ग, ब्लॉक, तहसील और जिला मुख्यालय से जोड़ने पिछले दो वर्षों में 85 करोड़ रुपये की लागत से 9 नए वृहद पुलों को स्वीकृति दी गई है। लोक निर्माण विभाग के सेतु निर्माण संभाग के कार्यपालन अभियंता श्री राजेंद्र सोनकर ने बताया कि बासनवाहीङ्कटांहकापार मार्ग पर महानदी पर 28 करोड़ रुपये की लागत से स्वीकृत पुल हजारों ग्रामीणों की सुविधा और पर्यटन विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण होगा। सोनपुरङ्कमरोड़ा मार्ग पर बेचाघाट में कोटरी नदी पर 15 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत से पुल निर्माण का कार्य प्रगति पर है। इसके पूरा होने से माओवाद प्रभावित माड़ क्षेत्र का सीधा संपर्क स्थापित हो जाएगा। राज्य शासन दूरस्थ अंचलों तक मजबूत सड़कों और पुलों के माध्यम से लोगों की सहूलियतें बढ़ाने तथा दुर्गम एवं सुदूरवर्ती क्षेत्रों तक विकास की रोशनी पहुंचाने प्रतिबद्धता से काम कर रही है। कांकेर में बन रहे ये पुल सिर्फकांक्रीट की संरचनाएं नहीं हैं।

बस्तर पर्यटन ने भरी नई उड़ान, वर्षों से लंबित योजनाओं को मिली गति

रायपुर। प्राकृतिक सौंदर्य, झरनों की कलकल ध्वनि, घने वनों की हरियाली और समृद्ध जनजातीय संस्कृति से परिपूर्ण बस्तर अंचल अब पर्यटन विकास के नए दौर में प्रवेश कर चुका है। जिन पर्यटन स्थलों के विकास को लेकर लंबे समय से अपेक्षाएँ थीं, वहाँ अब चरणबद्ध तरीके से आधारभूत एवं आधुनिक सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। राज्य शासन और पर्यटन विभाग के समन्वित प्रयासों से बस्तर के पर्यटन परिदृश्य में सकारात्मक परिवर्तन स्पष्ट दिखाई देने लगा है। विश्व प्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात, तीरथगढ़ जलप्रपात, कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान, दंतेवाड़ा, बारसूर, नारायणपुर और कोंडागांव सहित विभिन्न पर्यटन स्थलों पर सड़क संपर्क को बेहतर किया गया है। पर्यटकों की सुविधा के लिए सुव्यवस्थित पार्किंग, पेयजल व्यवस्था, आधुनिक शौचालय, विश्राम शेड, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा तंत्र को मजबूत किया गया है। साथ ही, पर्यटकों को जानकारी उपलब्ध कराने हेतु सूचना केंद्र एवं हेल्प डेस्क स्थापित किए गए हैं। प्रमुख स्थलों पर आकर्षक व्यू-पॉइंट, सेल्फी जोन और सौंदर्यीकरण कार्यों से इन स्थलों की भव्यता और बढ़ी है। टूरिस्ट फैसिलिटेशन सेंटर और डिजिटल पहल जगदलपुर में टूरिस्ट फैसिलिटेशन सेंटर के माध्यम से पर्यटकों को आवास, स्थानीय भ्रमण, गाइड सुविधा और अन्य आवश्यक जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही है। ऑनलाइन बुकिंग, डिजिटल भुगतान और प्रचार-प्रसार के आधुनिक माध्यमों का उपयोग कर पर्यटन सेवाओं को अधिक सुगम बनाया गया है। पर्यटन विकास का सबसे सकारात्मक प्रभाव स्थानीय युवाओं के रोजगार पर पड़ा है। गाइड प्रशिक्षण, आतिथ्य सेवा, साहसिक पर्यटन गतिविधियों और होम-स्टे योजना के माध्यम से युवाओं को स्वरोजगार के अवसर मिल रहे हैं। स्थानीय हस्तशिल्प, बेलमेटल कला, टेराकोटा और जनजातीय उत्पादों की बिक्री को बढ़ावा मिलने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिली है। पर्यटन विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी प्राथमिकता दी जा रही है। स्वच्छता अभियान, प्लास्टिक मुक्त क्षेत्र, हरित पट्टी विकास और जैव विविधता संरक्षण के प्रयासों से बस्तर की प्राकृतिक पहचान को सुरक्षित रखने का प्रयास किया जा रहा है।

80 बच्चों की स्वास्थ्य जांच, 29 कुपोषित-अति कुपोषित बच्चों को तत्काल उपचार; शाला त्यागी किशोरियों को पुन: शिक्षा से जोड़ा गया

कुपोषण उन्मूलन की सशक्त पहल: मुख्यमंत्री बाल संदर्भ योजना एवं 'वजन त्यौहार' से बच्चों को मिला स्वास्थ्य संबल

रायपुर। प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी पहल के अंतर्गत कुपोषण उन्मूलन की दिशा में ठोस एवं परिणाममुखी कार्य किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री बाल संदर्भ योजना तथा महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित वजन त्यौहार अभियान के माध्यम से बच्चों और गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की सतत निगरानी कर उन्हें समुचित उपचार एवं पोषण परामर्श उपलब्ध कराया जा रहा है।

महासमुंद जिले में नयापारा शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित विशेष स्वास्थ्य शिविर में 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के कुल 80 बच्चों का विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। परीक्षण के दौरान 29 बच्चे कुपोषित एवं अति कुपोषित श्रेणी में पाए गए, जिन्हें तत्काल आवश्यक दवाइयां, चिकित्सकीय परामर्श तथा पोषण संबंधी उपचार उपलब्ध कराया गया। गंभीर रूप से प्रभावित बच्चों को नियमित फॉलोअप एवं आवश्यकता पड़ने पर पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती की जानकारी दी गई।

महासमुंद जिले में इसी क्रम में 9 से 18 फरवरी तक आयोजित वजन त्यौहार के अंतर्गत शहरी परियोजना क्षेत्र के डॉ. सुशील सैमुअल वार्ड (सेक्टर-01) में विशेष शिविर आयोजित कर बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं का वजन एवं ऊंचाई मापी गई। प्राप्त आंकड़ों के आधार पर कुपोषित एवं अत्यंत कुपोषित बच्चों की पहचान कर उन्हें विशेष पोषण आहार, चिकित्सा सुविधा एवं निरंतर निगरानी से जोड़ा गया। गर्भवती महिलाओं को आयरन, कैल्शियम एवं आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्वों के नियमित सेवन तथा संतुलित आहार अपनाने की सलाह दी गई।

पोषण, स्वच्छता और टीकाकरण पर विशेष जोर- चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य दल द्वारा पालकों को संतुलित आहार की उपयोगिता, नियमित टीकाकरण, स्वच्छता, कृमिनाशक दवा सेवन, साफ पेयजल के उपयोग तथा दस्त-उल्टी जैसी स्थिति में त्वरित उपचार के महत्व से अवगत कराया गया। बच्चों के भोजन में दाल, हरी सब्जियां, दूध, अंडा, फ्रूट एवं मौसमी खाद्य पदार्थ शामिल करने की सलाह दी गई।पालकों को यह भी बताया गया कि जीवन के प्रारंभिक छह वर्ष बच्चे के शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास की आधारशिला होते हैं। नियमित वजन-ऊंचाई मापन और पोषण प्रबंधन से एनीमिया एवं कुपोषण जैसी समस्याओं की प्रभावी रोकथाम संभव है।

सामाजिक जागरूकता के साथ शिक्षा से जोड़ने की पहल- अभियान के दौरान केवल स्वास्थ्य ही नहीं, बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण पहल की गई। देवार जाति की चार शाला त्यागी किशोरियों को पुन: विद्यालय में प्रवेश दिलाने हेतु समझाइश दी गई, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए। यह प्रयास बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन देने तथा सामाजिक समावेशन को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री बाल संदर्भ योजना के तहत आंगनबाड़ी केंद्रों में पंजीकृत बच्चों की नियमित स्वास्थ्य जांच, पोषण स्तर का मूल्यांकन, आवश्यक दवा वितरण, परामर्श तथा गंभीर मामलों को उच्च स्वास्थ्य संस्थानों में रेफर कर उपचार सुनिश्चित किया जा रहा है। महासमुंद जिले में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से कुपोषण उन्मूलन की दिशा में जनसहभागिता आधारित सशक्त वातावरण निर्मित हो रहा है।

संक्षिप्त समाचार

बिलासपुर में मैटर का एक्सपीरियंस हब लॉन्च, सेंट्रल इंडिया के तेज़ी से बढ़ते मोबिलिटी मार्केट में ऐरा की एंट्री

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ का प्रमुख व्यावसायिक और कनेक्टिविटी केंद्र बिलासपुर तेज़ी से इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास, बढ़ती आकांक्षाओं और टू-व्हीलर मोबिलिटी पर मजबूत निर्भरता वाला शहर बनता जा रहा है। जैसे-जैसे शहर आधुनिक और उन्नत आवागमन विकल्पों को अपना रहे हैं, भारत की इनोवेशन-फर्स्ट इलेक्ट्रिक मोबिलिटी स्टार्टअप मैटर ने आज बिलासपुर में अपने मैटर एक्सपीरियंस हब के लॉन्च की घोषणा की है। इसके साथ ही, भारत की पहली गियर्ड इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल ऐरा अब सेंट्रल इंडिया के राइडर्स के और भी करीब पहुँच गई है। इस अवसर पर आयोजित लॉन्च इवेंट में अरुण प्रताप सिंह, फाउंडर एवं ग्रुप सीओओ, मैटर, उपस्थित रहे, जिन्होंने कंपनी के विस्तार के अगले चरण में बिलासपुर के महत्व को रेखांकित किया।

इस मौके पर बोलते हुए अरुण प्रताप सिंह ने कहा बिलासपुर उभरते भारत की ग्रोथ स्टोरी का प्रतीक है एक ऐसा शहर जहाँ रोज़मर्रा की ज़िंदगी में मोबिलिटी की भूमिका बेहद अहम है। जैसे-जैसे इन्फ्रास्ट्रक्चर का विस्तार हो रहा है और कम्यूटिंग की ज़रूरतें बदल रही हैं, वैसे-वैसे साफ़, स्मार्ट और वास्तविक उपयोग के लिए तैयार मोबिलिटी सॉल्यूशंस की मांग तेज़ी से बढ़ रही है। यहाँ अपने एक्सपीरियंस हब के ज़रिए हम राइडर्स को ऐसी इलेक्ट्रिक मोबिलिटी से जोड़ रहे हैं जो परिचित भी है, रोमांचक भी और डेली कम्यूट के लिए पूरी तरह प्रैक्टिकल भी। डीलर प्रिंसिपल तनुज गुप्ता ने कहा बिलासपुर में मैटर एक्सपीरियंस हब की शुरुआत हमारे लिए गर्व का क्षण है। शहर धीरे-धीरे स्मार्ट और सस्टेनेबल मोबिलिटी विकल्पों को अपना रहा है और मैटर का इनोवेशन-ड्रिवन अप्रोच इस बदलाव में बिल्कुल फिट बैठता है। ऐरा के साथ राइडर्स अब एक बिल्कुल नई कैटेगरी का अनुभव कर सकते हैं जहाँ गियर्स का थ्रिल और इलेक्ट्रिक टेक्नोलॉजी की इंटेलिजेंस एक साथ मिलती है।

पूरी तरह भारत में डिज़ाइन, इंजीनियर और निर्मित की गई ऐरा 5000+, मैटर के उस विज़न को दर्शाती है जिसमें टेक्नोलॉजी सिर्फ एडवांस ही नहीं, बल्कि भारतीय राइडिंग परिस्थितियों के लिए पूरी तरह अनुरूप हो। इस इनोवेशन का केंद्र है हायपर शिफ्ट ङ्क इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल्स के लिए खास तौर पर विकसित किया गया दुनिया का पहला 4-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स। यह सिस्टम पारंपरिक गियर राइडिंग की पकड़ और कंट्रोल को इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के इंस्टेंट टॉर्क, एफिशिएंसी और साइलेंट परफॉर्मेंस के साथ जोड़ता है, जिससे रोज़ाना शहर में चलने वालों के लिए एक बिल्कुल नया राइडिंग अनुभव बनता है।

आयकर भवन के सामने, व्यापार विहार मेन रोड, बिलासपुर में स्थित मैटर एक्सपीरियंस हब को एक टेक-इमर्सिव स्पेस के रूप में डिज़ाइन किया गया है। यहाँ ग्राहक मैटर की इन-हाउस विकसित टेक्नोलॉजी को करीब से समझ सकते हैं, पूरे प्रोडक्ट इकोसिस्टम से रूबरू हो सकते हैं और गाइडेड वॉक-थ्रू और टेस्ट राइड्स के ज़रिए ऐरा का अनुभव ले सकते हैं। यह लॉन्च सेंट्रल और ईस्टर्न इंडिया के उभरते शहरों में मैटर की रिटेल मौजूदगी को मज़बूत करने की दिशा में एक अहम कदम है। ऐरा 5000+ भारत की पहली इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल है जो लाइफटाइम बैटरी वारंटी के साथ आती है, जिससे राइडर्स को लंबे समय तक भरोसा और मानसिक शांति मिलती है-चाहे रोज़ाना की यात्रा हो या लंबी राइड्स।

सविता ऑयल टेक्नोलॉजीज ने महिंद्रा समूह के साथ दो दशक पुराने संबंध को रणनीतिक बहुवर्षीय साझेदारी के माध्यम से किया विस्तारित

मुंबई : भारत की अग्रणी ल्यूब्रिकेंट निर्माताओं में से एक, सविता ऑयल टेक्नोलॉजीज़ लिमिटेड (एसओटीएल) ने आज महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के फार्म इक्विपमेंट व्यवसाय (महिंद्रा ट्रैक्टर्स) के साथ एक रणनीतिक बहुवर्षीय साझेदारी पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता दोनों संगठनों के बीच साझा मूल्यों, तकनीकी विशेषज्ञता और सेवा विश्वसनीयता पर आधारित लंबे समय से चले आ रहे संबंधों को और मजबूत करता है।

यह विकास सविता और महिंद्रा समूह के बीच 25 वर्षों से अधिक समय से चले आ रहे संबंधों के एक नए चरण की शुरुआत को दर्शाता है, जो विश्वसनीय उत्पाद गुणवत्ता, बढ़े हुए ग्राहक विश्वास और भारत के कृषि तथा ग्रामीण गतिशीलता पारिस्थितिकी तंत्र के लिए दीर्घकालिक मूल्य सृजन की साझा प्रतिबद्धता को पुनः पुष्ट करता है। इस साझेदारी के तहत एसओटीएल महिंद्रा एंड महिंद्रा के सभी प्रमुख व्यावसायिक प्रभागों को विभिन्न उत्पाद श्रेणियों में आपूर्ति करेगा।

इस विस्तारित सहयोग के अंतर्गत, सविता ऑयल टेक्नोलॉजीज़ लिमिटेड (एसओटीएल) निर्धारित भौगोलिक क्षेत्रों में महिंद्रा के फ्रेंचाइज़ वर्कशॉप और स्पेयर पार्ट्स वितरक नेटवर्क के माध्यम से एमस्टार ब्रांड के तहत महिंद्रा ट्रैक्टर जेन्युइन इंजन ऑयल की आपूर्ति करेगा। यह साझेदारी विविध और चुनौतीपूर्ण कृषि परिस्थितियों में संचालित होने वाले महिंद्रा ट्रैक्टरों के लिए निरंतर प्रदर्शन, विश्वसनीय सेवा और इंजन सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई है।

यह समझौता 12 फरवरी, 2026 को सविता ऑयल टेक्नोलॉजीज़ लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक श्री गौतम एन. मेहरा और महिंद्रा एंड महिंद्रा ङ्क फार्म ट्रैक्टर डिवीजन के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट ङ्क एसएसयू, श्री आर. वीरराघवन द्वारा औपचारिक रूप से हस्ताक्षरित किया गया, जो दोनों संगठनों के विकसित होते संबंधों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। साझेदारी पर बोलते हुए, सविता ऑयल टेक्नोलॉजीज़ लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक श्री गौतम एन. मेहरा ने कहा, ÷महिंद्रा एंड महिंद्रा के साथ हमारा दीर्घकालिक संबंध विश्वास, प्रदर्शन और ग्राहक मूल्य के प्रति साझा प्रतिबद्धता पर आधारित रहा है। यह महत्वपूर्ण साझेदारी महिंद्रा ट्रैक्टरों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले, विश्वसनीय स्नेहन समाधान प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम है।

संपादकीय

जन समस्याओं का हल सांत्वना का भ्रम

सालाना बजट आज महज वित्तीय विवरण, कर दरों में हेरफेर, खर्च के लक्ष्यों की घोषणा और जहां-तहां कुछ प्रोत्साहनों के एलान का दस्तावेज भर रह गया है। बुनियादी आर्थिक समस्याओं के हल की बात उसके दायरे से बाहर हो चुकी है। कांग्रेस की राय में केंद्रीय बजट अर्थव्यवस्था की बुनियादी चुनौतियों से आंख मिलाने में नाकाम रहा। दरअसल, पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने तो यहां तक कहा कि वित्त मंत्री ने उन चुनौतियों को सिरे से नजरअंदाज कर दिया। मसलन, अमेरिकी टैरिफ से कारखाना उत्पादकों और निर्यातकों के सामने आई चुनौतियों, व्यापार घाटे, निम्न ग्रॉस फिक्स्ड कैपिटल फॉर्मेशन, एफडीआई की अनिश्चितता, राजकोषीय सेहत में सुधार की धीमी गति, महंगाई के सरकारी आंकड़ों एवं अनुभवजन्य स्थिति में फर्क, लाखों एमएसएमई इकाइयों के बंद होने, बेरोजगारी, और शहरी बुनियादी ढांचे में लगातार गिरावट पर निर्मला सीतारमन ने चुप्पी साध ली। ये आलोचना वाजिब है। यह हकीकत है कि आज सालाना बजट महज वित्तीय विवरण, कर दरों में हेरफेर, खर्च के लक्ष्यों की घोषणा और जहां-तहां कुछ प्रोत्साहनों के एलान का दस्तावेज भर रह गया है। मुक्त बाजार अर्थव्यवस्था जब असल में मोनोपॉली पूंजीवाद का रूप ले चुकी हो, तो बिना उस ढांचे को चुनौती दिए सरकारें अक्सर ढांचागत समस्याओं का हल निकालने में अक्षम हो जाती हैं। नतीजतन, बजट के जरिए शायद ही बाजार में मांग और निजी निवेश की स्थितियां बनाई जा सकती हैं। बिना ऐसा हुए ना तो रोजगार सृजन संभव है, और ना ही मानव विकास या रहन-सहन की बेहतर सूरत बनाना। देसी बाजार में प्रतिस्पर्धा नहीं नहीं होगी, तो भारतीय उत्पादों का अंतरराष्ट्रीय स्पर्धा में टिकने की बात महज एक खामख्याली ही है। बाकी जहां तक व्यापार घाटा, पर्याप्त मात्रा में एफडीआई ना आना या पोर्टफोलियो इन्वेस्टरों के भारत से पैसा निकालने, या रुपये की कीमत मे गिरावट की बात है, तो वे जारी हालात के नतीजे हैं। यथार्थ तो यह है कि लगातार अपनी ताकत कॉरपोरेट सेक्टर को ट्रांसफर करती गई सरकार की अब ऐसे मसलों का हल ढूंढने की काबिलियत अब काफी हद तक क्षीण हो चुकी है। इस हाल में आबादी के कुछ समूहों को नकदी हस्तांतरण कर चुनावी लाभ की योजनाएं शुरू करने से आगे कुछ करने को वह सोच नहीं पाती। उन योजनाओं के जरिए जन समस्याओं का हल करने की सांत्वना का भ्रम वह पैदा करती है। इस बार भी वह इतना ही कर पाई।

हड़ताल श्रमिक अधिकारों को कमजोर करती है

एस. पी. तिवारी

चार नयी श्रम संहिताओं का क्रियान्वयन, भारत की विशाल श्रम शक्ति, विशेष रूप से अनौपचारिक और असंगठित क्षेत्रों में काम करने वाले श्रमिकों के लिए जीवन यापन में आसानी में सुधार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इन सुधारों का उद्देश्य, बिना जटिल उद्योग वर्गीकरण की बाधाओं के, सभी श्रमिकों के लिए न्यूनतम मजदूरी की गारंटी देना है। प्रत्येक श्रमिक के लिए अनिवार्य पहचान पत्र की शुरुआत करते हुए, ये संहिताएं उन्हें सामाजिक सुरक्षा लाभों तक सीधी पहुंच की सुविधा के साथ सशक्त बनाने का प्रयास करती हैं। नियमित और अनिवार्य स्वास्थ्य जांच, श्रमिकों की भलाई में मदद करेंगी, जिससे वे स्वस्थ और अधिक उत्पादक जीवन व्यतीत कर सकेंगे। इसके अलावा, समयबद्ध शिकायत निवारण व्यवस्था, पीड़ित श्रमिकों द्वारा सामना किए जाने वाले मानसिक तनाव और अनिश्चितता को कम करने में सहायता करेगी। समग्र रूप से, ये उपाय भारतीय श्रमिकों के लिए गरिमा, सुरक्षा और समावेशी विकास पर केंद्रित एक प्रगतिशील रूपरेखा का प्रतिनिधित्व करते हैं। हालाँकि, इन सकारात्मक प्रावधानों के बावजूद, राजनीतिक रूप से प्रेरित केंद्रीय श्रमिक संघों (ट्रेड यूनियन) का एक हिस्सा अक्सर हड़ताल के प्रतिकूल प्रभाव पर पूरी तरह विचार किए बिना, हड़ताल पर उतर आता है। ऐसी हड़तालों से विशेष रूप से असंगठित अर्थव्यवस्था के लगभग 38 करोड़ श्रमिकों के पारिश्रमिक को भारी नुकसान होता है, जो अपनी जीविका के लिए दैनिक आय पर निर्भर होते हैं। उनके मुद्दों को हल करने के बजाय, बार-बार होने वाली हड़तालें रचनात्मक और कठोर सामूहिक सौदेबाजी की प्रक्रिया को कमजोर करती हैं, जिससे श्रमिकों और नियोक्ताओं दोनों के लिए न्यायसंगत और संतुलित परिणाम हासिल करने की संभावना कम हो जाती है। समय के साथ, बार-बार हड़ताल बुलाने का प्रयास न केवल अप्रभावी साबित हुआ है बल्कि इसके परिणाम प्रतिकूल भी रहे हैं। बार-बार होने वाली हड़तालों से श्रमिकों में व्यापक थकान दिखाई पड़ता है, जिससे बड़ी संख्या में श्रमिक ऐसे आह्वान को या तो नजरअंदाज करते हैं या उनमें शामिल नहीं होते हैं। कुछ मामलों में, श्रमिकों के एक छोटे हिस्से को उनकी इच्छा के विपरीत हड़तालों में हिस्सा लेने के लिए मजबूर किया जाता है, जिससे इन आंदोलनों की नैतिक वैधता व सामूहिक ताकत और कमजोर हो जाती है। अंततः, यह प्रवृत्ति श्रमिक कल्याण उपायों के समग्र प्रभाव को कम करती है और श्रमिकों के बीच एकजुटता को कमज़ोर करती है। हड़तालों के व्यापक परिणाम केवल कार्यस्थल तक सीमित नहीं रहते। औद्योगिक उत्पादन प्रभावित होता है, दैनिक यात्रियों को गंभीर असुविधा का सामना करना पड़ता है, और सड़क किनारे के विक्रेताओं, घरेलू श्रमिकों और छोटे सेवा प्रदाताओं की आजीविका बाधित हो जाती है। इन श्रमिकों के लिए, केवल एक दिन की आय का नुकसान भी आजीविका संकट पैदा कर सकता है, उन्हें अपनी सीमित बचत को खत्म करने तथा गंभीर आर्थिक असुरक्षा में जाने के लिए मजबूर कर सकता है। भारत जैसी उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं में, श्रमिक संघों (ट्रेड यूनियन) को संवाद, आपसी-बातचीत और नियोक्ताओं तथा सरकार के साथ रचनात्मक सहयोग को प्राथमिकता देनी चाहिए। स्थायी सौदेबाजी और सहयोगात्मक समस्या समाधान पर आधारित एक मॉडल उत्पादन, रोजगार, और समग्र आर्थिक वृद्धि को बाधित किए बिना श्रमिकों की समस्याओं का समाधान कर सकता है।

आखिर सेवा तीर्थ से उपजते सियासी सवालों के जवाब कब तक मिलेंगे?

कमलेश पांडे

कहते हैं कि शब्द ब्रह्म है और हर शब्द अपने मंत्रमय भावमय अस्तित्व से आकार ग्रहण करते हुए देर-सबेर साकार होता है। इस दृष्टिकोण से दूरद्रष्टा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'नाम परिवर्तन' द्वारा जनमानस की सोच में बदलाव की जो मुहिम चलाई है, वह सुसंस्कृत भारत के निमित्त 'नाम/विचार परिवर्तन यात्रा' अनवरत रूप से जारी है। इसी कड़ी में हमारा 'गवर्नमेंट ऑफ भारत' अपने 'लोककल्याण मार्ग' (सेवन रेस कोर्स) व 'कर्तव्य पथ' (राजपथ) होते हुए अब 'सेवा तीर्थ' (पीएमओ) तक के अपने वैचारिक सफ़र को पूरा कर चुका है।

पहले नया संसद भवन और अब कर्तव्य भवन 1 और 2 इसकी बानगी भर हैं जबकि अन्य बदलाव भी प्रक्रियाधीन हैं और नाम-भवन परिवर्तन द्वारा, भाव परिवर्तन यात्रा गतिमान है। वास्तव में, यह नया बदलाव नया भारत यानी गवर्नमेंट ऑफ भारत (गवर्नमेंट ऑफ इंडिया) के मार्फ़त लिए हुए फैसलों में सिर्फ 'मिल का पत्थर' भर है, और विगत लगभग एक दशक में हमलोग ऐसे ही कुछेक महत्वपूर्ण मिल के पत्थरों को पार करते हुए इस अहम मुकाम तक चुके हैं।

देखा जाए तो अमृत भारत और विकसित भारत के दृष्टिगत ये नाम, विचार व भवन बदलाव यात्रा गतिमान है, जिसके नीति आयोग (योजना आयोग) जैसे अहम सियासी व प्रशासनिक मायने हैं। लिहाजा, विपक्ष इस आधुनातन सोच-समझ की आलोचना अपने तरीके से कर रहा है, लेकिन यहां हम मीडिया यानी चौथे स्तम्भ के नाते इस अहम निर्णय से जुड़े जनपक्ष को लेकर कुछ सवाल उठाएंगे और जवाब भी मिले, इसकी प्रतीक्षा करेंगे।

यह ठीक है कि प्रधानमंत्री कार्यालय का पता औपनिवेशिक दौर की साउथ ब्लॉक इमारत से बदलकर अब सेवा तीर्थ परिसर हो गया है। प्रधानमंत्री ने अपने नए ऑफिस से महिलाओं, किसानों और युवाओं से जुड़े कई अहम फैसले भी लिए। इससे मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि, सेवा परमो धर्म की भावना ही नए सेवा तीर्थ परिसर की आत्मा है। यह केवल भवन नहीं, बल्कि सेवा और समर्पण के संकल्प का प्रतीक है। आज का संकल्प और परिश्रम ही आने वाली पीढ़ियों का भविष्य तय करेगा। चूंकि शासन का केंद्र अब नागरिक हैं। इस भवन में लिया गया हर निर्णय 140 करोड़ देशवासियों के जीवन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से होना चाहिए।

इसी दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो टूक कहा कि आजादी के बाद नार्थ ब्लॉक और साउथ ब्लॉक जैसी इमारतों से देश के लिए नीतियां बनीं, कई निर्णय हुए। यह भी सच है कि ये पुरानी इमारतें ब्रिटिश हुकूमत का, गुलामी का प्रतीक थी। गुलामी की इस मानसिकता से बाहर निकलना जरूरी था। साल 2014 में देश ने यह तय किया कि गुलामी की मानसिकता और नहीं चलेगी। हमारे इन फैसलों के पीछे हमारी सेवा भावना है। यदि उनके नजरिए से देखा जाए तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेवा तीर्थ जैसे लोकतांत्रिक तीर्थ के उद्घाटन के मौके पर यह कहकर बौद्धिक हलचल मचा दी है कि पुरानी इमारतें ब्रिटिश हुकूमत का, गुलामी का प्रतीक थी। गुलामी की इस मानसिकता से बाहर निकलना जरूरी था। साल 2014 में देश ने यह तय किया कि गुलामी की मानसिकता और नहीं चलेगी। हमारे इन फैसलों के पीछे हमारी सेवा भावना है।

ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुलामी के किन-किन प्रतीकों को बदलेंगे और कब तक बदलेंगे? और क्या इसकी कोई समय सारणी तय हुई है या फिर इनमें भी वह ईसाइयों द्वारा निर्मित भवन को पहले और मुस्लिम शासकों द्वारा निर्मित भवन को बाद में बदलेंगे? क्योंकि बहुमत प्राप्ति के दृष्टिगत सियासत भी जरूरी है और गुलामी के प्रतीकों से मुक्ति भी! क्योंकि भारत तो इस्लामिक आक्रमणकारियों और ईसाई कारोबारियों दोनों का 800 वर्षों तक गुलाम रहा है।

वहीं खास बात तो यह कि देश को गुलाम बनाए रखने का बौद्धिक हथियार यानी फूट डालो और शासन करो (डिवाइड एंड रूल) जैसे गुलामी मंत्र जाति आधारित आरक्षण और धर्म आधारित अल्पसंख्यक वाले सोच को प्रधानमंत्री कब तक बदलेंगे? या फिर हिंदुओं व मुस्लिमों में कभी फूट डालने और कभी एक जुट करने के ये हथियार अकसर नया धार पाते रहेंगे? साथ ही, मुगलिया दस्ता के प्रतीक और मुगल बादशाह शाहजहां द्वारा निर्मित उस लालकिला परिसर को कब तक बदलेंगे, जहां पर स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री हर वर्ष राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फ़हराते हैं और राष्ट्रीय हित व जनहित से जुड़े अपने महत्वपूर्ण सम्बोधन देते आये हैं। जी हां, देशवासी पूरी राम कथा जानना चाहते हैं! क्योंकि कुछ तो उनके शागिर्दों के सियासी हथियार तक बन चुके हैं। यह ठीक है कि राम मंदिर निर्माण (कथित बाबरी मस्जिद के भग्नावशेष पर) करके और नया संसद भवन व कर्तव्य भवन 1 और 2 (ब्रिटिश शासकों द्वारा निर्मित भवनों के बगल में या उनकी जगह पर) का निर्माण करके, जिसमें सेवा तीर्थ भी शामिल है, प्रधानमंत्री ने यादगार शुरुआत कर दी है, लेकिन आगे कहां तक, कब तक यह प्रक्रिया जारी रहेगी, लोगों में जानने की उत्सुकता है, क्योंकि गुलामी की दासता के ढेर से प्रतीक अब भी हमारे शासन प्रतिष्ठान और जनमानस को मुंह चिढ़ाते प्रतीत हो रहे हैं, जिन्हें अविलंब बदला जाना चाहिए।

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पहले अपने नए पीएम ऑफिस 'सेवा तीर्थ' की शुरुआत की। फिर शाम को कर्तव्य भवन 1 और 2 का लोकार्पण किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री के साथ केंद्रीय मंत्रियों मनोहर लाल खट्टर और डॉ. जितेंद्र सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल, प्रधान सचिव पी. के. मिश्रा और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति भी रही, जिनकी अहम मौजूदगी में प्रधानमंत्री ने इन नवनिर्मित परिसरों का लोकार्पण किया। अब यहां पर सरकार के कई बड़े दफ्तर और मंत्रालय एक ही जगह पर होंगे। चूंकि पहले ये दफ्तर अलग-अलग जगहों पर, पुराने भवनों में चलते थे। इसलिए काम में देरी होती थी, क्योंकि अफ़सरों को एक-दूसरे से मिलने में परेशानी होती थी और आम लोगों को भी अलग-अलग दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते थे। लेकिन अब सेवा तीर्थ परिसर में प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ), राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय और कैबिनेट सचिवालय एक साथ काम करेंगे। यानी देश के बड़े फैसलों से जुड़े दफ्तर एक ही जगह होंगे, जिससे फैसले जल्दी होंगे और कामकाज में तालमेल बेहतर रहेगा।

यही नहीं, चूंकि कर्तव्य भवन-1 और 2 में कई अहम मंत्रालयो को जगह दी गई है। इनमें वित्त, रक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, कानून, सूचना एवं प्रसारण, संस्कृति, रसायन एवं उर्वरक, जनजातीय कार्य और कॉरपोरेट कार्य जैसे मंत्रालय शामिल है। इसका फायदा यह होगा कि लोगों को अलग-अलग काम के लिए अलग-अलग जगह भटकना नहीं पड़ेगा।

पीएम नरेंद्र मोदी ने सेवा तीर्थ के उद्घाटन के बाद महिलाओं, युवाओं, किसानों और कमजोर वर्गों के कल्याण से जुड़ी महत्वपूर्ण फाइलों पर हस्ताक्षर किए। उनके प्रमुख फैसले में पीएम राहत योजना के तहत दुर्घटना पीड़ितों को 1.5 लाख रुपये तक कैशलेस इलाज की सुविधा, ताकि तत्काल चिकित्सा सहायता से जान बचाई जा सके। और लखपति दीदी लक्ष्य के अंतर्गत महिलाओं के लिए लक्ष्य को दोगुना कर 6 करोड़ करना, आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देना शामिल है। वहीं अन्य निर्णय के तहत कृषि अवसंरचना निधि को दोगुना बढ़ाकर 2 लाख करोड़ रुपये करना, किसानों को मजबूत समर्थन देना शामिल है। जबकि स्टार्टअप इंडिया फंड ऑफ फंड्स 2.0 को मंजूरी, युवाओं और उद्यमियों के लिए नई संभावनाएँ खोली जाएंगी। इस प्रकार ये फैसले सेवा तीर्थ के 'नागरिक देवो भव' मंत्र को साकार करते हैं, जो 12-13 फरवरी 2026 को लिए गए। हालांकि कुछ आलोचक लोग तो यहां तक कह रहे हैं कि सेवा तीर्थ द्वारा अब आरक्षण जैसे मेवा का प्रसाद मुंह देखकर बांटा जाएगा और कथित सामाजिक न्याय आधारित हिंदुत्व के जयकारे चटखारे पूर्वक लगते रहें, इसके मुकम्मल इंतजाम किए जाएंगे। इस प्रकार यह एक नया राजनीतिक-सामाजिक तीर्थ बना दिया जाएगा। शायद भारत इसी कोशिश से विश्व गुरु बन जाये।

डीपफेक का धोखा और डिजिटल सख्त नियमों की अनिवार्यता

ललित गर्ग

डिजिटल युग में सूचना की गति जितनी तीव्र हुई है, उतनी ही तेजी से भ्रम, छल और दुष्प्रचार की संभावनाएँ भी बढ़ी हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डीपफेक तकनीक ने इस चुनौती को और जटिल बना दिया है। अब केवल शब्दों से नहीं, बल्कि चेहरों, आवाजों और भाव-भंगिमाओं से भी झूठ को सच की तरह प्रस्तुत किया जा सकता है। यही कारण है कि केंद्र सरकार ने डीपफेक और एआई जनित सामग्री के नियमन के लिए आईटी नियमों को सख्त करने का निर्णय लिया है। बीस फरवरी से लागू होने जा रहे नए प्रावधानों के अनुसार एआई द्वारा निर्मित सामग्री पर स्पष्ट लेबल लगाना अनिवार्य होगा और किसी भी अवैध या भ्रामक सामग्री को तीन घंटे के भीतर हटाना या ब्लॉक करना होगा। पहले यह समयसीमा 36 घंटे थी। यह बदलाव केवल तकनीकी संशोधन नहीं, बल्कि डिजिटल नैतिकता और लोकतांत्रिक जवाबदेही की दिशा में एक गंभीर हस्तक्षेप है।

पिछले कुछ वर्षों में डीपफेक तकनीक का दुरुपयोग भयावह रूप से सामने आया है। राजनीतिक नेताओं के फर्जी वीडियो, अभिनेत्रियों की अश्लील रूप से परिवर्तित तस्वीरें, सांप्रदायिक तनाव भड़काने वाले ऑडियो क्लिप और आर्थिक धोखाधड़ी के लिए बनाए गए कृत्रिम संदेश-ये सब इस बात के प्रमाण हैं कि तकनीक तटस्थ नहीं रहती, उसका उपयोग और दुरुपयोग दोनों संभव हैं। जब सत्य को जूता जा रहा हो और झूठ को परिष्कृत तकनीक के सहारे प्रमाणिकता का आवरण पहनाकर प्रस्तुत किया जा रहा हो, तब समाज में अविश्वास का वातावरण बनना स्वाभाविक है। ऐसी स्थिति में सरकार द्वारा नियंत्रण की पहल आवश्यक प्रतीत होती है, क्योंकि यह केवल अभिव्यक्ति का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक सौहार्द, राष्ट्रीय सुरक्षा और नागरिकों की प्रतिष्ठा से जुड़ा विषय है।

नए नियमों के तहत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों की जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से बढ़ाई गई है। अब उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि उपयोगकर्ता को यह जानकारी मिले कि साझा की जा रही सामग्री एआई से निर्मित है या नहीं। इससे पारदर्शिता का एक न्यूनतम मानक स्थापित होगा। साथ ही, तीन घंटे की समयसीमा यह संकेत देती है कि सरकार डिजिटल अपराधों की गंभीरता को समझ रही है। डीपफेक वीडियो के वायरल होने के बाद उसका खंडन अक्सर प्रभावहीन हो जाता है, इसलिए त्वरित कार्रवाई ही नुकसान को सीमित कर सकती है। परंतु यह भी सच है कि इतनी कम समय सीमा में सामग्री की सत्यता की जांच करना तकनीकी और प्रशासनिक दृष्टि से अत्यंत जटिल कार्य है। इससे प्लेटफॉर्मों पर निगरानी तंत्र को अत्यधिक सुदृढ़ करना पड़ेगा, जो लागत और संचालन दोनों के स्तर पर चुनौतीपूर्ण होगा।

यह प्रश्न भी महत्वपूर्ण है कि आपत्तिजनक या भ्रामक सामग्री की परिभाषा कौन और किस आधार पर तय करेगा। लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एक मूलाधिकार है। यदि नियमन की प्रक्रिया पारदर्शी और न्यायसंगत नहीं होगी, तो इसके दुरुपयोग की आशंकाएँ जन्म लेंगी। अतीत में भी यह देखा गया है कि जब-जब सोशल मीडिया पर नियंत्रण के प्रयास हुए, तब कुछ वर्गों ने इसे सरकारी अतिक्रमण के रूप में प्रस्तुत किया। इसलिए नियमन और स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाना अत्यंत आवश्यक है। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि नियमों का प्रयोग असहमति को दबाने के लिए नहीं, बल्कि स्पष्ट रूप से दुष्प्रचार और अपराध को रोकने के लिए हो। इस दिशा में स्वतंत्र निगरानी तंत्र, न्यायिक समीक्षा और पारदर्शी शिकायत निवारण प्रणाली अनिवार्य घटक हो सकते हैं। वैश्विक परिदृश्य भी इसी संकट की ओर संकेत करता है। ऑस्ट्रेलिया और फ्रांस जैसे देशों ने बच्चों के लिए सोशल मीडिया उपयोग की न्यूनतम आयु निर्धारित करने जैसे कदम उठाए हैं। अमेरिका में इंस्टाग्राम और यूट्यूब के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभावों की जांच के लिए ऐतिहासिक मुकदमे चल रहे हैं। वहाँ की बड़ी तकनीकी कंपनियों पर युवाओं को लत लगाने वाली संरचनाएँ विकसित करने के आरोप लगे हैं। विशेषज्ञों का मत है कि कई युवा जब अपने फोन से दूर किए जाते हैं तो वे मनोवैज्ञानिक ही नहीं, शारीरिक असहजता भी अनुभव करते हैं। यह स्थिति केवल विकसित देशों तक सीमित नहीं, भारत सहित विकासशील देशों में भी सोशल मीडिया का अनियंत्रित विस्तार सामाजिक और मानसिक संकट का कारण बन रहा है। एआई उद्योग स्वयं भी एक नैतिक दुविधा के दौर से गुजर रहा है। अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार में कंपनियाँ तकनीकी श्रेष्ठता की दौड़ में लगी हैं। इस दौड़ में सुरक्षा और नैतिकता के प्रश्न अक्सर पीछे छूट जाते हैं। हाल ही में एक प्रमुख कंपनी के सुरक्षा शोधकर्ता द्वारा विवादास्पद परियोजनाओं की अनियंत्रित गति पर असहमति जताते हुए त्यागपत्र देना इस तनाव का संकेत है। तकनीक की प्रगति जितनी तेज होगी, नियामक ढाँचे उतनी ही तेजी से अप्रासंगिक होते जाएँगे, यदि उन्हें समयानुकूल अद्यतन न किया जाए। इसलिए नियमन को केवल दंडात्मक नहीं, बल्कि दूरदर्शी और सहभागी होना चाहिए।

भारत के संदर्भ में यह विषय और भी संवेदनशील है। यहाँ डिजिटल क्रांति ने अभूतपूर्व विस्तार पाया है। करोड़ों नए उपयोगकर्ता प्रतिवर्ष ऑनलाइन आ रहे हैं। ऐसे में यदि असली और नकली के बीच का फर्क स्पष्ट न रहे तो लोकतांत्रिक विमर्श ही संदिग्ध हो जाएगा। चुनावी प्रक्रिया, सामाजिक सद्भाव, आर्थिक लेन-देन और व्यक्तिगत प्रतिष्ठा-सभी पर डीपफेक का खतरा मंडरा सकता है। इसलिए एआई जनित सामग्री पर लेबलिंग का प्रावधान केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि सूचना साक्षरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। परंतु यह भी ध्यान रखना होगा कि लेबलिंग तभी प्रभावी होगी जब आम उपयोगकर्ता डिजिटल साक्षर हो। अन्यथा वह लेबल को समझे बिना ही सामग्री साझा करता रहेगा।

आगामी ई-समिट और भारत के 'इंडिया एआई मिशन' के संदर्भ में यह और भी प्रासंगिक हो जाता है कि तकनीक का विकास पारदर्शिता, शुद्धता और प्रमाणिकता के मूल्यों के साथ हो। यदि भारत वैश्विक एआई नेतृत्व का दावा करना चाहता है, तो उसे नैतिक मानकों की स्थापना में भी अग्रणी भूमिका निभानी होगी। केवल स्टार्टअप्स और नवाचार की संख्या बढ़ाना पर्याप्त नहीं, यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है कि एआई मानव गरिमा, गोपनीयता और लोकतांत्रिक संस्थाओं का सम्मान करे। नियमन का उद्देश्य तकनीकी प्रगति को रोकना नहीं, बल्कि उसे उत्तरदायी बनाना होना चाहिए।

अंततः यह समझना होगा कि डीपफेक और एआई का संकट केवल तकनीकी नहीं, बल्कि नैतिक और सामाजिक भी है। कानून आवश्यक है, परंतु पर्याप्त नहीं। डिजिटल कंपनियों की जवाबदेही, सरकार की पारदर्शिता, न्यायपालिका की सतर्कता और नागरिकों की जागरूकता-इन सबका समन्वय ही इस चुनौती का स्थायी समाधान दे सकता है। यदि नियमन संतुलित और निष्पक्ष होगा तो वह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कुचलने के बजाय उसे सुरक्षित करेगा, क्योंकि स्वतंत्रता तभी सार्थक है जब वह सत्य और जिम्मेदारी के साथ जुड़ी हो। झूठ को सच में बदलने की तकनीकी क्षमता जितनी बढ़ रही है, उतनी ही दृढ़ता से सत्य की रक्षा के लिए सामूहिक संकल्प भी आवश्यक है। यही डिजिटल युग की सबसे बड़ी नैतिक परीक्षा है, और यही लोकतांत्रिक समाज की अगली कसौटी भी।

महाशिवरात्रि के दिन शिवजी पर पीली सरसों चढ़ाना क्यों होता है शुभ?

महाशिवरात्रि का त्योहार इस साल 26 फरवरी को मनाया जा रहा है। इस दिन हर कोई भगवान शिव के खास दिन पर व्रत रखता है। साथ ही, उन्हें अर्पित करने के लिए कई सारी चीजों को शिवलिंग पर चढ़ाते हैं। वहीं कई सारे लोग घर पर ही शिवलिंग की पूजा करते हैं, ताकि घर में सुख-शांति बनी रहे। इसी सुख-शांति के लिए आप शिवलिंग पर पीली सरसों चढ़ाएं। इससे बहुत सारे फायदे नजर आते हैं। चलिए आपको पंडित विघाशंकर जी के बताए गए तरीके और लाभ के बारे में बताते हैं, जिसे सुनकर इस महाशिवरात्रि आप भी शिवलिंग पर पीली सरसों चढ़ा सकती हैं।

शिवलिंग पर क्यों चढ़ाएं पीली सरसों

पीली सरसों पूजा के लिए पवित्र मानी जाती है। इसी वजह से इसे पूजा में इस्तेमाल की जाती है। इसे शिवलिंग में चढ़ाने से वातावरण शुद्ध होता है। साथ ही, सकारात्मक उर्जा बनी रहती है। ऐसी मान्यता है कि अगर आप नकारात्मक उर्जा को कम करना चाहते हैं, तो इसके लिए आप इसे शिवलिंग पर चढ़ा सकते हैं। इससे बुरी नजर भी नहीं सकती हैं। इसे शिवलिंग पर चढ़ाने से बृहस्पति ग्रह के दोषों का निवारण होता है। आर्थिक समृद्धि में वृद्धि होती है।

पीली सरसों को कैसे चढ़ाएं

- इसके लिए आपको पहले अच्छे स्नान करना है। इसके बाद आपको पूजा की थाली को अच्छे से सजाना है।
- अब इसमें पीली सरसों को रखकर मंदिर लेकर जाएं।
- इसके बाद भगवान शिव को स्नान करवाने के बाद इस पीली सरसों को भगवान शिव पर चढ़ाएं।
- इसे चढ़ाने से आपके घर की सारी नकरात्मकता दूर हो जाएगी। साथ ही, आपके ऊपर भगवान शिव की कृपा बनी रहेगी।
- महाशिवरात्रि पर इन बातों का रखें ध्यान
- महाशिवरात्रि के दिन आपको सुबह उठकर स्नान करना चाहिए।
- इसके बाद नए वस्त्र धारण करके इस व्रत को शुरू करना है।
- इसके बाद मंदिर में जाकर भगवान शिव की पूजा अर्चना करनी है।
- फिर शाम के समय आरती करके इस व्रत को पूरा करना है।
- इससे आपकी पूजा पूरी हो जाएगी। साथ ही, आपकी मनोकामना पूरी हो जाएगी।
- इस बार सरसों के भगवान शिव में चढ़ाएं। इससे आपकी आसपास की सारी नकारात्मक ऊर्जा दूर हो जाएगी। साथ ही, आपको घर पर अच्छा लगेगा।

भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए महाशिवरात्रि पर करें ये आसान ज्योतिषीय उपाय

महाशिवरात्रि हिंदू धर्म का एक महत्वपूर्ण पर्व है, जिसे भगवान शिव और माता पार्वती के पावन मिलन का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि इसी तिथि पर माता पार्वती और भगवान शिव का विवाह संपन्न हुआ था। यह दिन साधना, भक्ति और आत्मिक उन्नति के लिए विशेष महत्व रखता है। ऐसा कहा जाता है कि इस दिन सच्चे मन से भगवान शिव की उपासना करने और विशेष ज्योतिषीय उपाय करने से सभी दुखों का नाश होता है और व्यक्ति को सुख, समृद्धि और शांति की प्राप्ति होती है।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, महाशिवरात्रि के दिन किए गए कुछ सरल लेकिन प्रभावी उपाय जीवन की समस्याओं को दूर करने में सहायक हो सकते हैं। चाहे आपके जीवन में आर्थिक परेशानी हो, वैवाहिक जीवन में तनाव हो, स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं हों या फिर शनि और राहु-केतु के अशुभ प्रभाव हों, भगवान शिव की सही तरीके से आराधना करने से सभी कष्टों का निवारण संभव है। मुख्य रूप से यदि आप महाशिवरात्रि के दिन रुद्राभिषेक, महामृत्युंजय मंत्र का जाप करते हैं और शिवलिंग पर जल चढ़ाने के साथ बेलपत्र अर्पित करते हैं तो भगवान शिव की कृपा बनी रहती है और भक्तों को उनका आशीर्वाद प्रदान करते हैं।

महाशिवरात्रि पर रुद्राभिषेक करें

महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव की पूजा विशेष फलदायी मानी जाती है और इस दिन किए गए रुद्राभिषेक का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है। रुद्राभिषेक एक शक्तिशाली वैदिक अनुष्ठान है, जिसमें विशेष मंत्रों के उच्चारण के साथ शिवलिंग पर जल, दूध, दही, घी, शहद, गंगाजल और बेलपत्र अर्पित किए जाते हैं। यह पूजा न केवल भगवान शिव को प्रसन्न करती है, बल्कि भक्तों के जीवन से नकारात्मक ऊर्जाओं को दूर कर उन्हें सुख-समृद्धि का आशीर्वाद भी प्रदान करती है।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, रुद्राभिषेक करने से सभी प्रकार के ग्रह दोष शांत होते हैं, विशेष रूप से शनि, राहु और केतु के अशुभ प्रभाव कम हो सकते हैं। इसके अलावा, यह पूजा मन की शांति, रोगों से मुक्ति और आर्थिक समृद्धि के लिए भी अत्यंत लाभकारी मानी जाती है। यदि कोई व्यक्ति किसी विशेष समस्या से ग्रस्त है, तो महाशिवरात्रि पर रुद्राभिषेक करने से उसे शीघ्र ही राहत मिल सकती है।

महाशिवरात्रि पर महामृत्युंजय मंत्र का जाप करें

महाशिवरात्रि पर महामृत्युंजय मंत्र का जाप करने से नकारात्मक शक्तियां दूर होती हैं और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से मुक्ति मिलती है। यह मंत्र ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम। उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात।। है। यदि आप शिवरात्रि के दिन इस मंत्र का जाप 108 बार करती हैं तो आपकी समस्त बाधाएं दूर हो सकती हैं और भगवान शिव की कृपा प्राप्त हो सकती है।

महाशिवरात्रि के दिन शिवलिंग पर काले तिल चढ़ाएं

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, काले तिल शिवजी को अर्पित करने से शनि, राहु और केतु के अशुभ प्रभाव कम होते हैं। यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में शनि की साढ़े साती, ढैय्या, कालसर्प दोष या पितृ दोष मौजूद हो, तो यह उपाय अत्यंत प्रभावी साबित होता है। इससे नकारात्मक ऊर्जाओं का नाश होता है और जीवन में शांति व स्थिरता आती है। इसके अलावा, जल में काले तिल मिलाकर शिवलिंग पर अभिषेक करने से मानसिक तनाव कम होता है और ग्रहों की प्रतिकूलता से राहत मिलती है। यह उपाय विशेष रूप से उन लोगों के लिए लाभकारी है जो करियर में बाधाओं, आर्थिक समस्याओं या पारिवारिक कलह से परेशान हैं। महाशिवरात्रि के दिन सच्चे मन से शिवलिंग पर काले तिल अर्पित करें और भगवान शिव से कृपा प्राप्त करें। इससे जीवन में सुख-समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त होगा।

शिवलिंग पर बेलपत्र और धतूरा चढ़ाएं

भगवान शिव की पूजा में बेलपत्र, धतूरा और आक के फूल का विशेष महत्व होता है। ये सभी प्राकृतिक रूप से और धार्मिक दृष्टि से अत्यंत पवित्र माने जाते हैं। महाशिवरात्रि के दिन यदि श्रद्धा और भक्ति के साथ शिवलिंग पर बेलपत्र, धतूरा और आक के फूल चढ़ाए जाएं, तो भगवान शिव शीघ्र प्रसन्न होते हैं और भक्तों की सभी इच्छाएं पूर्ण करते हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, बेलपत्र अर्पित करने से मानसिक शांति मिलती है, नकारात्मक ऊर्जाओं का नाश होता है और शत्रु बाधाओं से मुक्ति प्राप्त होती है। वहीं, धतूरा भगवान शिव को प्रिय होने के साथ-साथ जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है और आर्थिक समस्याओं को दूर करने में सहायक होता है। आक के फूल अर्पण करने से विशेष रूप से कर्ज से मुक्ति और समृद्धि की प्राप्ति होती है।

शिव चालीसा और शिव पुराण का पाठ करें

महाशिवरात्रि पर शिव चालीसा या शिव पुराण का पाठ करने से भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त होती है। यह उपाय घर में सुख-शांति बनाए रखने और नकारात्मक शक्तियों को दूर करने में सहायक होता है। यदि आप भी घर की समृद्धि के लिए महाशिवरात्रि के दिन शिव चालीसा का पाठ करें तो आपको इसके शुभ फल मिल सकते हैं और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का वास होता है।

महाशिवरात्रि पर शिव को भाएगी आपकी भक्ति, इन 22 नामों में है बहुत शक्ति...

महाशिवरात्रि, भगवान महादेव की कृपा पाने का पवित्र है। इस दिन भगवान शिव के नामों का जाप करने से जीवन के अनेक प्रकार के दोषों का नाश होता है तथा पाप कर्मों से मुक्ति मिलती है। यहां पाठकों के लिए प्रस्तुत है शिव जी के विशेष 22 नाम, जो समस्त पापों से मुक्ति दिलाकर वैकुंठ प्राप्ति में सहायक बनकर मोक्ष जाने का रास्ता आसान करते है। शिव जी के निम्न नामों वो शक्ति है, जिससे आप जो चाहे वो पा सकते हैं।

शिव जी के 22 पवित्र नाम-

- शंकर
- उमापति
- महादेव
- भोलेनाथ
- जटाशंकरी
- जलाधारी
- पशुपति नाथ
- आशुतोष
- औघड़दानी
- भूतभावन
- भूतनाथ
- महेश
- गंगाधर
- चंद्रमौलेश्वर
- गोपेश्वर
- नंदीश्वर
- नागेश्वर
- नीलकंठ
- मृत्युंजय
- महेश्वर
- भोले भंडारी
- सदाशिव।

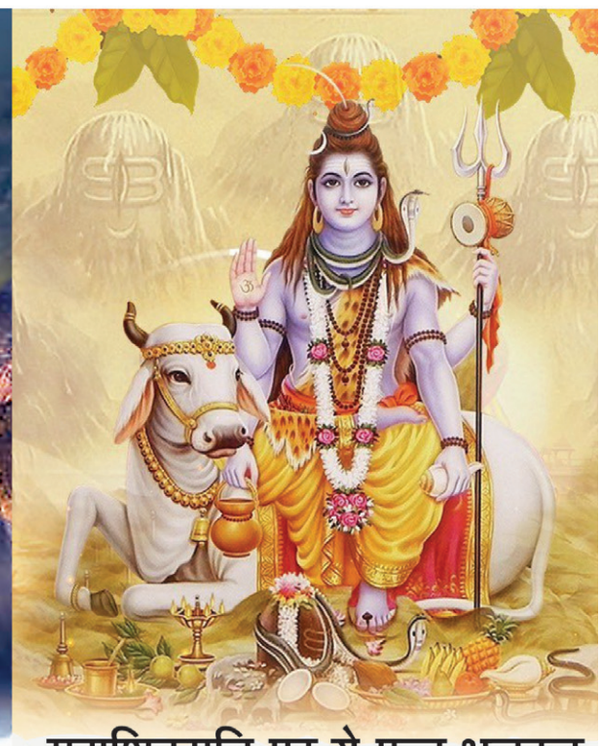

महाशिवरात्रि पर ये फूल भूलकर भी न चढ़ाएं भगवान शिव को

फाल्गुन मास की शिवरात्रि का पर्व मनाया जाएगा। इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती का विवाहोत्सव मनाया जाता है। भगवान शिव की पूजा में कुछ सावधानियां रखना जरूरी है। जैसे कि भगवान शिव को कुमकुम का तिलक नहीं लगाया जाता है। उन्हें तुलसी का पत्ता भी अर्पित नहीं किया जाता है। शंख से जल अर्पित नहीं किया जाता है। उनकी पूजा में हल्दी और रोली का प्रयोग भी नहीं किया जाता है। उसी तरह शिवलिंग पर भूलकर भी अर्पित न करें ये 5 फूल।

- केतकी
- कनेर
- कमल
- चंपा
- केवड़ा

भगवान शिव की पूजा में केतकी, कनेर, कमल, चंपा और केवड़ा के फूल का प्रयोग नहीं करना चाहिए। जब ब्रह्मा और विष्णु ने शिव के कहने पर ज्योति स्तंभ का ओर छोर का पता लगाने को कहा तो ब्रह्माजी स्तंभ के उपर का सिरा खोजने गए और विष्णु जी नीचे का सिरा खोजने गए। विष्णु जी ने आकर शिवजी ने कहा कि मुझे इसका कोई अंत नहीं मिला जबकि ब्रह्मा जब उपर गए तो वहां एक जगह उन्हें केतकी नजर आई। उन्होंने केतकी से झूठ बोलने को कहा। ब्रह्मा ने लौटकर कहा कि मैंने इस का अंत ढूंढ लिया। केतकी ने इसके लिए झूठी गवाही दी थी। इससे क्रोधित होकर शिवजी ने केतकी को अपनी पूजा से बाहर कर दिया। तभी से शिव पूजा में केतकी का फूल अर्पित नहीं करते हैं। कमल के फूल पर ब्रह्माजी विरामान हैं। बाकी के फूल माता लक्ष्मी को अर्पित किए जाते हैं। भगवान शिव एक ऐसे देवता हैं जो मात्र बेलपत्र और शमीपत्र आदि को चढ़ाने से प्रसन्न हो जाते हैं, परंतु भूलकर भी उनकी पूजा में तुलसी का पत्र न चढ़ाएं। भगवान शिव का नारियल से अभिषेक नहीं करना चाहिए और न ही शंख से जल अर्पित करना चाहिए।

महाशिवरात्रि मनाने के आध्यात्मिक कारण

हमारे जीवन में कोई साधना न होने पर भी इस दिन ऊर्जा ऊपर की ओर बढ़ती है। मगर खास तौर पर योगिक साधना करने वाले लोगों के लिए, इस रात को अपने शरीर को सीधी अवस्था में रखना, या न सोना बहुत महत्वपूर्ण है।

महाशिवरात्रि ऐसे लोगों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, जो आध्यात्मिक मार्ग पर हैं। संसार में महत्वाकांक्षा रखने वाले और गृहस्थ जीवन जीने वाले लोगों के लिए भी यह उतना ही अहम है। गृहस्थ जीवन बिताने वाले लोग महाशिवरात्रि को शिव के विवाह की वर्षगांठ के रूप में मनाते हैं। महत्वाकांक्षी लोग इसे उस दिन के रूप में देखते हैं, जब शिव ने अपने शत्रुओं पर जीत हासिल की थी। मगर यौगिक परंपरा में, हम शिव को एक ईश्वर की तरह नहीं देखते, बल्कि प्रथम गुरु या आदि गुरु के रूप में देखते हैं, जिन्होंने यौगिक प्रक्रिया की शुरुआत की थी। 'शिव' का मतलब है 'वह, जो नहीं है'। अगर आप खुद को ऐसी स्थिति में रख सकते हैं कि आप, आप न रहें और शिव को होने दें, तो जीवन में एक नई दृष्टि लाने और जीवन को पूर्ण स्पष्टता से देखने की संभावना हो सकती है।

ऊँ नमः शिवाय सभी मनोरथों की सिद्धि करने वाला दिव्य मंत्र

भगवान शिव जब अग्नि स्तंभ के रूप में प्रकट हुए तब उनके पांच मुख थे। जो पांचों तत्व पृथ्वी, जल, आकाश, अग्नि तथा वायु के रूप थे। सर्वप्रथम जिस शब्द की उत्पत्ति हुई वह शब्द था ऊँ बाकी पांच शब्द नमः शिवाय की उत्पत्ति उनके पांचों मुखों से हुई जिन्हें सृष्टि का सबसे पहला मंत्र माना जाता है यही महामंत्र है। इसी से अ इ उ ऋ लृ इन पांच मूलभूत स्वर तथा व्यंजन जो पांच वर्णों से पांच वर्ग वाले हैं वे प्रकट हुए। त्रिपदा गायत्री का प्राकट्य भी इसी शिरोमंत्र से हुआ, इसी गायत्री से वेद और वेदों से करोड़ों मंत्रों का प्राकट्य हुआ।

इस मंत्र के जाप से सभी मनोरथों की सिद्धि होती है। भोग और मोक्ष दोनों को देने वाला यह मंत्र जपने वाले के समस्त व्याधियों को भी शांत कर देता है। बाधाएं इस मंत्र का जाप करने वाले के पास भी नहीं आती तथा यमराज ने अपने दूतों को यह आदेश दिया हैं कि इस मंत्र के जाप करने वाले के पास कभी मत जाना। उसको मृत्यु नहीं मोक्ष की प्राप्ति होती है। यह मंत्र शिववाक्य है यही शिवज्ञान है। जिसके मन में यह मंत्र निरंतर रहता है वह शिवस्वरूप हो जाता है। भगवान शिव प्रत्येक मनुष्य के अंतःकरण में स्थित अव्यक्त आंतरिक अधिष्ठान तथा प्रकृति मनुष्य की सुव्यक्त आंतरिक अधिष्ठान है। नमः शिवायः पंचतत्वमक मंत्र है इसे शिव पंचक्षरी मंत्र कहते हैं। इस पंचक्षरी मंत्र के जप से ही मनुष्य संपूर्ण सिद्धियों को प्राप्त कर सकता है। इस मंत्र के आदि में ऊँ लगाकर ही सदा इसके जप करना चाहिए। भगवान शिव का निरंतर चिंतन करते हुए इस मंत्र का जाप करें।

सदा सब पर अनुग्रह करने वाले भगवान शिव का बारंबार स्मरण करते हुए पूर्वाभिमुख होकर पंचाक्षरी मंत्र का जाप करें। भगवान शिव अपने भक्त की पूजा से प्रसन्न होते हैं। शिव भक्त जितना-जितना भगवान शिव के पंचाक्षरी मंत्र का जप कर लेता है उतना ही उसके अंतकरण की शुद्धि होती जाती है एवं वह अपने अंतकरण में स्थित अव्यक्त आंतरिक अधिष्ठान के रूप में विराजमान भगवान शिव के समीप होता जाता है। उसके दरिद्रता, रोग, दुख एवं शत्रुजनित पीड़ा एवं कष्टों का अंत हो जाता है एवं उसे परम आनंद की प्राप्ति होती है।

शिवलिंग की श्रेष्ठता

शिव का पूजन लिंगस्वरूप में ही ज्यादा फलदायक माना गया है। शिव का मूर्तिपूजन भी श्रेष्ठ है किंतु लिंगस्वरूप पूजन सर्वश्रेष्ठ है। भगवान शिव ब्रह्म रूप होने के कारण निष्कल अर्थात निराकार कहे गए, रूपवान होने के कारण सकल कहलाए, परंतु वे परब्रह्म परमात्मा निराकार रूप से पहले आए और समस्त देवताओं में एकमात्र वे परब्रह्म है इसलिए केवल वे ही निराकार लिंगस्वरूप में पूजे जाते हैं। इस रूप में समस्त ब्रह्मांड का पूजन हो जाता है। क्योंकि वे ही समस्त जगत के मूल कारण है।

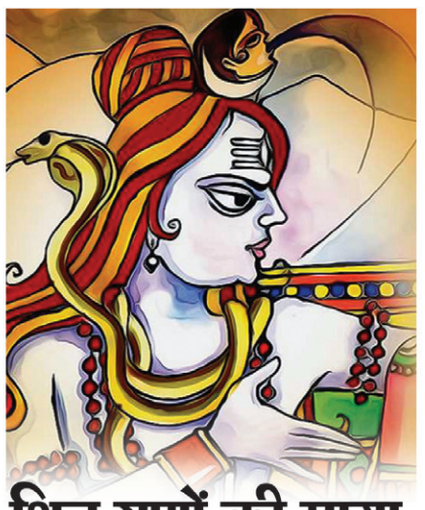

शिव गणों की माया

भैरव दो हैं- काल भैरव और बटुक भैरव। दूसरी ओर वीरभद्र शिव का एक बहादुर गण था जिसने शिव के आदेश पर दक्ष प्रजापति का सर धड़ से अलग कर दिया। देव संहिता और स्कंद पुराण के अनुसार शिव ने अपनी जटा से 'वीरभद्र' नामक गण उत्पन्न किया। इस तरह उनके ये प्रमुख गण थे- भैरव, वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, नंदी, श्रृगी, भृगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, जय और विजय। इसके अलावा, पिशाच, दैत्य, दानव, भूत और नाग-नागिन, पशुओं को भी शिव का गण माना जाता है। ये सभी गण धरती और ब्रह्मांड में विचरण करते

भगवान शिव की सुरक्षा और उनके आदेश को मानने के लिए उनके गण सदैव तत्पर रहते हैं। उनके गणों में भैरव को सबसे प्रमुख माना जाता है। उसके बाद नंदी का नंबर आता और फिर वीरभद्र। जहां भी शिव मंदिर स्थापित होता है, वहां रक्षक (कोतवाल) के रूप में भैरवजी की प्रतिमा भी स्थापित की जाती है।

रहते हैं और प्रत्येक मनुष्य, आत्मा आदि की खैर-खबर रखते हैं।

शिव के द्वारपाल : कैलाश पर्वत के क्षेत्र में उस काल में कोई भी देवी या देवता, दैत्य या दानव शिव के द्वारपाल की आज्ञा के बगैर अंदर नहीं जा सकता था। ये द्वारपाल संपूर्ण दिशाओं में तैनात थे।

इन द्वारपालों के नाम हैं- नंदी, स्कंद, रिटी, वृषभ, भृंगी, गणेश, उमा-महेश्वर और महाकाल। उल्लेखनीय है कि शिव के गण और द्वारपाल नंदी ने ही कामशास्त्र की रचना की थी। कामशास्त्र के आधार पर ही कामसूत्र लिखा गया था।

शिव पंचायत : पंचायत का फैसला अंतिम माना जाता है। देवताओं और दैत्यों के झगड़े आदि के बीच जब कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेना होता था तो शिव की पंचायत का फैसला अंतिम होता था। शिव की पंचायत में 5 देवता शामिल थे। ये 5 देवता थे:- 1.सूर्य, 2.गणपति, 3.देवी, 4. रुद्र और 5.विष्णु ये शिव पंचायत कहलाते हैं।

शिव पार्षद : जिस तरह जय और विजय विष्णु के पार्षद हैं उसी तरह बाण, रावण, चंड, नंदी, भृंगी आदि शिव के पार्षद हैं। यहां देखा गया है कि नंदी और भृंगी गण भी है, द्वारपाल भी है और पार्षद भी।

उल्लेखनीय है कि शिव ने अपने एक गण का सिर काटकर ही विनायक के धड़ पर लगाया था। इसीलिए विनायक को गणेश और गणपति कहा जाता है।

शाहिद-तृप्ति पर 'मोहब्बत की बददुआ' ने दिखाया खूब असर

मसाले हर बार वही होते हैं- बड़ी इलायची, जायफल, दालचीनी वगैरह वगैरह। लेकिन इस्तेमाल करने वाले हाथों के साथ जैसे इनका जायका बदलता जाता है। खून-खच्चर भरा एक्शन ड्रामा, बेहतरीन गाने और लव स्टोरीज इन दिनों बॉलीवुड के सबसे पॉपुलर मसाले हैं। लेकिन विशाल भारद्वाज जैसे आला दर्जे के सिनेमाई शेफ के हाथों में आकर ये मसाले एक अलग जायका देने लगेंगे इस उम्मीद में 'ओ रोमियो' चखने का फैसला किया गया। नतीजा ये निकला कि विशाल की ये डिश काफी जायकेदार है।

फ़िल्ममेकिंग के बेहतरीन जायके से भरा फर्स्ट हाफ

शाहिद कपूर को करियर का सबसे धमाकेदार इंट्रो मिलने के साथ ही 'ओ रोमियो' शुरू हो जाती है। शाहिद उस्तरे से हत्याएं करने वाले खूंखार गैंगस्टर उस्तरा के रोल में हैं। उनके उस्तरे में इतनी धार है कि वो शरीर से काट के आत्मा को अलग कर देता है। अपनी मर्जी से कदम थिरकाने वाले इस गैंगस्टर को सिर्फ एक ही मास्टर अपनी धुन पर नचा सकता है- खान साहब (नाना पाटेकर)। खान साहब आईबी के कॉप हैं और उस्तरा की धार को क्राइम निपटाने के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं।

उस्तरा की लाइफ में अनसुने राग उस दिन बजने लगते हैं जब एंट्री होती है अफशां (तृप्ति डिमरी) की। अफशां सुपारी देने आई है, उस्तरा के साथी रहे खूंखार गैंगस्टर जलाल (अविनाश तिवारी) और उसके तीन साथियों की। अफशां की सुपारी के पीछे मकसद है बदला। कैसा बदला, किस बात का बदला, ये सब आप फ़िल्म में ही देखें तो ज़ायका बना रहेगा।

पर्दे पर दिखेंगी तमन्ना और जुनैद की जोड़ी

बालाजी मोशन पिक्चर्स ने आधिकारिक तौर पर 'रागिनी 3' का ऐलान कर दिया है, जो एक थ्रिलिंग डेट नाइट हॉरर फिल्म है और रोमांच, कॉमेडी और मज़ेदार पल देने का वादा करती है। फिल्म में लीड रोल में तमन्ना भाटिया और जुनैद खान दिखेंगे। फिल्म का निर्देशन शशांक घोष करेंगे।

'रागिनी 3' एक नए और रोमांचक चैप्टर की शुरुआत है, जिसमें एक शानदार टीम एक साथ आई है। शशांक घोष डायरेक्टर के तौर पर शामिल हैं, जबकि साहिर रजा अभी भी प्रोजेक्ट की क्रिएटिव ताकत बने हुए हैं। इस सहयोग से फिल्म का स्केल नई ऊंचाइयों तक पहुंच गया है और इसे इस जॉनर की सबसे प्रत्याशित फिल्मों में से एक बना दिया है। यह शशांक घोष और बालाजी मोशन पिक्चर्स की फिर से साथ आनाभी है, जिन्होंने पहले 'वीरे दी वेडिंग' और 'फ्रेडी' जैसी सफल फिल्मों पर साथ काम किया था। ऐसे में 'रागिनी 3' के साथ टीम का मकसद एक बोल्ड, फ्रेश और स्टाइलिश डेट नाइट हॉरर एक्सपीरियंस देना है। तमन्ना भाटिया, जो अपनी अलग-अलग भूमिकाओं और स्क्रीन पर मजबूती के लिए जानी जाती हैं, लीड रोल में होंगी और कहानी में ग्लैमर, इंटेंसिटी और रोमांच जोड़ेंगी। फिल्म के लिए वह हमेशा ही सही चॉइस थीं। जुनैद खान उनके साथ जुड़ रहे हैं, जो अपने अलग और खास रोल्स के लिए पसंद किए जाते हैं। कहना गलत नहीं होगा कि यह जोड़ी स्क्रीन पर नया और मज़ेदार अनुभव देने वाली है।

सिनेमा की सबसे बड़ी फ्लॉप पर भूमि पेडनेकर का खुलासा

बॉलीवुड एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर ने अपनी दमदार अदाकारी से इंडस्ट्री में एक अलग पहचान बनाई है। भूमि इन दिनों अपनी हालिया रिलीज सीरीज 'दलदल' को लेकर सुर्खियों में हैं। इसी बीच एक्ट्रेस ने अपने करियर यहां तक की इंडिया की सबसे बड़ी फ्लॉप फिल्म 'द लेडी किलर' को लेकर बात की है। अर्जुन कपूर और भूमि पेडनेकर की साल 2023 में आई फिल्म 'द लेडी किलर' बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप हुई थी।

एक इंटरव्यू में भूमि ने साझा किया कि जो फिल्म दर्शकों ने देखी, वह असल में पूरी ही नहीं थी। भूमि ने कहा, हमने जो स्क्रिप्ट पढ़ी थी वह पूरी थी, लेकिन उसका एक बड़ा हिस्सा कभी शूट ही नहीं किया गया। जो रिलीज हुआ, वह एक अधूरी फिल्म थी। मुझे उम्मीद है कि काश मुझे इसकी बेहतर समझ होती। शायद अगर मैं सिस्टम का हिस्सा होती, तो चीजें अलग तरीके से संभाल पाती। भूमि ने आगे बताया कि वह इस फैसले से सदमे में थीं। उन्होंने कहा, मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या हो रहा है क्योंकि ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था। बाद में मुझे बताया गया कि फिल्म का बजट खत्म हो गया है और यह बहुत लंबी खिंच गई है। हम कलाकारों की इसमें कोई गलती नहीं थी, फिर भी इसका बोझ हमें ही झेलना पड़ा।

करियर खत्म होने का था डर

फिल्म की विफलता और उसके रिलीज के तरीके ने भूमि को मानसिक रूप से काफी प्रभावित किया। उन्होंने अपना दर्द साझा करते हुए कहा, यह मेरे जीवन का बहुत दिल दहला देने वाला समय था। मुझे लगा जैसे मैं खत्म हो गई हूं। मुझे नहीं पता था कि इस झटके से कैसे उबरना है।

'द केरल स्टोरी 2' में दिखेगी असली घटनाओं की झलक

विपुल अमृतलाल शाह इंडियन सिनेमा के जाने-माने फिल्ममेकर और प्रोड्यूसर हैं। उन्होंने सालों में कई ऐसी फिल्में दी हैं जो कल्ट भी बनीं और जिनका जबरदस्त असर भी रहा। 'द केरल स्टोरी' के साथ उन्होंने एक बेखौफ कहानी दिखाई, जिसने फिल्म को बड़ी सफलता दिलाई और देशभर में बहस छेड़ दी।

फिल्म ने एक ऐसे असली मुद्दे पर बात की, जिसने लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया। अब शाह इसी कहानी को आगे बढ़ाते हुए 'द केरल स्टोरी 2: गोज बियॉन्ड' लेकर आ रहे हैं। हाल ही में रिलीज हुआ टीज़र डर, गुस्से और कड़वी सच्चाई का स्ट्रॉन्ग मिक्स दिखाता है और साफ इशारा करता है कि इस बार कहानी और ज्यादा पावरफुल और लेयर्ड होने वाली है।

नेशनल अवॉर्ड विनिंग डायरेक्टर कमाख्या नारायण सिंह के निर्देशन में बनी यह फिल्म भारतीय लीगल सिस्टम में दर्ज असली घटनाओं से इंस्पायर्ड है, जिन्हें एक ग्रिपिंग सिनेमाई अंदाज़ में पेश किया गया है। विपुल अमृतलाल शाह ने बताया कि टीम ने कई महीनों तक डिटेल रिसर्च की, ताकि जो सच्चाई दिखाई जा रही है, वो ऑथेंटिक और फैक्ट्स पर बेस्ड हो। उन्होंने कहा, जब हम द केरल स्टोरी 2: गोज बियॉन्ड जैसी फिल्म बना रहे थे, तो हम चाहते थे कि यह पूरे भारत की स्थिति को रिप्रेजेंट करे। इसलिए जिन तीन कहानियों को हमने चुना, हम सिर्फ उनकी कहानी नहीं बता सकते थे। हमने कई दूसरी लड़कियों की जिंदगी की घटनाओं को भी इसमें शामिल किया है। नतीजा ये है कि यह तीन लड़कियों की कहानी है, लेकिन इसमें कई और कहानियों की झलक भी है।

राम चरण और उपासना ने किया अपने जुड़वा बच्चों का नामकरण

साउथ सुपरस्टार राम चरण और उपासना कोनिडेला साल 2026 डबल खुशियां लेकर आया है। कपल 31 जनवरी को जुड़वां बच्चों के माता पिता बने हैं। राम चरण और उपासना एक बेटे और एक बेटी के पेरेंट्स बने। वहीं अब राम चरण ने अपने बच्चों के नाम का खुलासा कर दिया है।

हाल ही में राम चरण और उपासना ने हैदराबाद स्थित अपने घर पर नामकरण समारोह आयोजित किया। कपल ने अपने जुड़वां बच्चों का नामकरण बेहद खास और आध्यात्मिक तरीके से किया। उन्होंने अपने बेटे का नाम शिवराम और बेटी का नाम अनवीरा देवी रखा है। शिवराम – यह नाम भगवान शिव और भगवान राम का मेल है। साथ ही, यह राम चरण के पिता मेगास्टार चिरंजीवी के असली नाम 'शिव शंकर वरा प्रसाद' को एक श्रद्धांजलि भी है। अनवीरा देवी 'अनवीरा' का अर्थ है असीम साहस और शक्ति। इसमें 'देवी' शब्द सौम्यता और गरिमा को दर्शाता है। वैरायटी इंडिया संग बात करते हुए रामचरण ने कहा, इनका नामकरण हम दोनों के लिए एक बेहद निजी और आध्यात्मिक निर्णय था। उपासना और मैंने इस पर चर्चा की, लेकिन हमारे माता-पिता इस यात्रा का अहम हिस्सा थे। हमारी संस्कृति में बड़ों को ज्ञान और आशीर्वाद देने वाला माना जाता है। इसलिए इस प्रक्रिया में उनकी उपस्थिति हमारे लिए बहुत मायने रखती थी।

राम चरण और उपासना की लव स्टोरी किसी फिल्म की स्क्रिप्ट से कम नहीं है। दोनों की मुलाकात कॉलेज के दिनों में हुई थी। शुरुआत में वे सिर्फ अच्छे दोस्त थे, लेकिन धीरे-धीरे यह दोस्ती प्यार में बदल गई। साल 2012 में एक भव्य समारोह में दोनों ने शादी की। 11 साल के लंबे इंतजार के बाद, 2023 में उनके घर पहली बेटी क्लिन कारा का जन्म हुआ। अब 2026 में जुड़वां बच्चों के आने से उनका परिवार पूरा हो गया है।

'गिन्नी वेड्स सन्नी 2', 24 अप्रैल को रिलीज

बॉलीवुड में शादियों का सीजन एक बार फिर बड़े पर्दे पर लौटने वाला है। नेटफ्लिक्स पर सुपरहिट रही 'गिन्नी वेड्स सन्नी' के बाद अब निर्माता इसके सीक्वल 'गिन्नी वेड्स सन्नी 2' के साथ तैयार हैं। हालांकि, इस बार दर्शकों को फिल्म में एक बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। फिल्म में यामी गौतम और विक्रांत मैसी की जगह अब अविनाश तिवारी और '12th फेल' फेम मेधा शंकर मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। मेकर्स ने हाल ही में फिल्म का एक बेहद ही मजेदार और कलरफुल पोस्टर जारी किया है। इस पोस्टर में अविनाश तिवारी एक सख्त पहलवान के अवतार में नजर आ रहे हैं, वहीं मेधा शंकर एक बेफिक्र और बिंदास लड़की के रूप में उनके साथ दिखाई दे रही हैं। पोस्टर को देखकर साफ अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्म में इन दोनों विपरीत स्वभाव वाले किरदारों के टकराने से जबरदस्त कॉमेडी और ड्रामा पैदा होने वाला है। मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, 'गिन्नी और सन्नी वापस आ गए हैं। रिश्ता तय है, बस इस बार थोड़ा सा ट्विस्ट है।' ज़ी स्टूडियोज और सौंदर्य प्रोडक्शन के बैनर तले बनी यह फिल्म 24 अप्रैल को बड़े पर्दे पर रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। जहां पहली फिल्म सीधे ओटीटी पर आई थी, वहीं सीक्वल को थिएटर में रिलीज करने का फैसला इसके बढ़ते क्रेज को देखते हुए लिया गया है। फिल्म का निर्देशन और लेखन प्रशांत झा ने किया है।

धनुष संग शादी की अफवाह पर बोलीं मृणाल ठाकुर

साउथ स्टार धनुष के साथ शादी की अफवाहों के बीच एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। मृणाल ने साफ कहा कि सोशल मीडिया और खबरों में चल रही चर्चाओं से अब उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता, लेकिन पहले इन बातों का असर होता था। मृणाल ने कहा, "यह अंदर की दुनिया है और बाहर की दुनिया का अपना एक अलग परसेप्शन होता है। कभी मुझे पता चलता है कि मेरी शादी होने वाली है, कभी सुनने को मिलता है कि यह होने वाला है, वह होने वाला है। मैं खुद इन बातों से वाकिफ नहीं होती थी। पहले इन सबसे बहुत फर्क पड़ता था, लेकिन अब मैं इन पर हंसती हूं।" उन्होंने आगे कहा कि अगर उन्हें अपनी निजी जिंदगी या किसी खास बात की जानकारी देनी होगी, तो वह खुद अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर साझा करेंगी। मृणाल ठाकुर ने कहा, "अफवाहें खबर नहीं होतीं। एक पत्रकार के रूप में यह जिम्मेदारी बनती है कि किसी भी खबर को प्रकाशित करने से पहले मुझसे या मेरी टीम से पुष्टि की जाए।" मृणाल ने बताया कि पहले उनकी कोई पीआर टीम नहीं थी, लेकिन बार-बार फैल रही गलतफहमियों और अफवाहों के कारण उन्हें पीआर टीम रखनी पड़ी।

संघर्षों को मात देकर टीवी की ग्लैमर क्वीन बनीं रश्मि देसाई

टीवी की सबसे चहेती और बेबाक अभिनेत्री रश्मि देसाई 13 फरवरी को अपना जन्मदिन मना रही हैं। रश्मि का जीवन किसी प्रेरणादायक फिल्म की पटकथा जैसा है, जहां हर मोड़ पर चुनौतियां थीं, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। रश्मि का जन्म एक मध्यमवर्गीय परिवार में हुआ था। उनकी मां एक सिंगल मदर थीं, जिन्होंने अकेले दम पर परिवार को पाला।

एक समय ऐसा भी था जब रश्मि देसाई के घर में 'दो वक्त की रोटी' का संकट था। इसी मजबूरी और जिम्मेदारी को समझते हुए रश्मि ने महज 16 साल की उम्र में काम करना शुरू कर दिया था। बहुत कम लोग जानते हैं कि उनका असली नाम शिवानी देसाई था। करियर के शुरुआती दौर में उन्होंने इसे बदलकर 'दिव्या' रखा, लेकिन एक ज्योतिषी की सलाह पर उन्होंने अपना नाम 'रश्मि' किया। इसी नाम ने उन्हें वह पहचान दी, जिसका सपना उन्होंने खुली आंखों से देखा था।

'उतरन' की तपस्या और लोकप्रियता

रश्मि ने बी-ग्रेड फिल्मों से अपने करियर की शुरुआत की थी, लेकिन 2008 में आए सीरियल 'उतरन' ने उनकी जिंदगी बदल दी। 'तपस्या' के ग्रे-शेड किरदार में उन्होंने ऐसी जान फूंकी कि वे रातों-रात सुपरस्टार बन गईं। इसके बाद 'बिग बॉस 13' में उनकी पर्सनल लाइफ और उनके निडर स्वभाव ने फैंस का दिल जीत लिया।

हॉलीवुड चले फरहान अख्तर

बॉलीवुड के सबसे टैलेंटिड आर्टिस्ट के तौर पर जानें जाने वाले फरहान अख्तर इंडस्ट्री के सबसे बड़े नामों में से एक के तौर पर मशहूर हैं।फरहान एक एक्टर, डायरेक्टर, म्यूजिशियन, राइटर और फिल्म प्रोड्यूसर हैं, जो उन्हें इंडस्ट्री के बाकी सितारों में काफी अलग बनाता है। फरहान बीते कुछ दिनों से अपनी फिल्म डॉन 3 को लेकर चर्चा में है। उनकी प्रोडक्शन कंपनी एक्सेल और एक्टर रणवीर सिंह के बीच चल रही तकरार के बीच एक बड़ी खबर सामने आई है।मीडियो रिपोर्ट्स की मानें तो एक्टर बॉलीवुड में शानदार पारी खेलने के बाद अब अपना हॉलीवुड डेब्यू करने के लिए तैयार हैं।फरहान ने ऑस्कर विनिंग डायरेक्टर सैम मेंडेस के साथ हाथ मिलाया है।एक्टर सैम की अगली फिल्म 'द बीटल्सः ए फोर फिल्म सिनेमैटिक इवेंट' में म्यूजिक माइस्त्रो पंडित रवि शंकर के किरदार में नजर आ सकते हैं।

"हम में शहंशाह कौन"का टीज़र रिलीज

हिंदी सिनेमा के प्रशंसकों के लिए एक खास सिनेमाई सरप्राइज सामने आया है। बहुप्रतीक्षित फिल्म "हम में शहंशाह कौन" का टीज़र रिलीज़ होते ही दर्शकों के बीच उत्साह की लहर दौड़ गई है। इस मल्टीस्टारर फिल्म में दिग्गज कलाकार रजनीकांत, शत्रुघ्न सिन्हा, हेमा मालिनी, Anita Raj एक साथ बड़े परदे पर नजर आने वाले हैं। 1 मिनट 16 सेकंड का यह टीज़र एक लोकप्रिय और दमदार शायरी से शुरू होता है, जो फिल्म के शाही और तीव्र मूड को तुरंत स्थापित कर देता है। जैसे-जैसे दृश्य आगे बढ़ते हैं, तेज़ रफ्तार एक्शन, आमने-सामने की टकराहटें और क्लासिक एंट्री सीन दर्शकों को 80 और 90 के दशक के भव्य बॉलीवुड की याद दिलाते हैं। टीज़र में रजनीकांत की प्रभावशाली मौजूदगी अलग ही आभा बिखेरती है। वहीं हेमा मालिनी की शाही गरिमा, शत्रुघ्न सिन्हा का दमदार संवाद अंदाज़ और अनीता राज की सशक्त स्क्रीन प्रेज़ेंस फिल्म को एक अलग ऊंचाई देते हैं। हर किरदार को स्टाइलिश और एक्शन से भरपूर फ्रेम में पेश किया गया है। टीज़र का समापन रजनीकांत के सोलो एक्शन सीन से होता है, जो दर्शकों के रोमांच को चरम पर पहुंचा देता है और फिल्म को लेकर जिज्ञासा और बढ़ा देता है। टीज़र लॉन्च के मौके पर फिल्ममेकर Raja Roy ने कहा, "'हम में शहंशाह कौन' सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक एहसास है। इन दिग्गज कलाकारों को फिर से एक साथ देखना दर्शकों के लिए यादगार अनुभव होगा।" वहीं एसोसिएट प्रोड्यूसर Aslam Mirza और Shabana Mirza ने कहा कि इतने प्रतिष्ठित कलाकारों को एक साथ लाना गर्व की बात है और यह फिल्म शक्ति, सम्मान और पारंपरिक मनोरंजन का संगम पेश करेगी।

दिग्गज सितारों की दमदार वापसी

जल्द सिनेमाघरों में रिलीज

दमदार संवादों, स्टाइलिश एक्शन और प्रभावशाली बैकग्राउंड म्यूज़िक से सजी "हम में शहंशाह कौन" जल्द ही देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज़ होने वाली है। "हम में शहंशाह कौन" के टीज़र ने रजनीकांत, शत्रुघ्न सिन्हा और हेमा मालिनी जैसे दिग्गजों को एक साथ बड़े परदे पर लाकर क्लासिक बॉलीवुड की भव्यता और एक्शन का रोमांच फिर से जगा दिया

खबर-खास

नर्मदेश्वर महादेव प्राण प्रतिष्ठा व भव्य महाशिवरात्रि समारोह, भव्य कलश शोभायात्रा में उमड़ा जनसैलाब

गरियाबंद (समय दर्शन)। आस्था,उमंग और महादेव के जयकारों के बीच शनिवार को गरियाबंद जिला के आमदी ग्राम पंचायत शिक्षक नगर के शिवलिंग मंदिर प्रांगण में श्री नर्मदेश्वर महादेव प्राण प्रतिष्ठा व भव्य महाशिवरात्रि समारोह-2026 का भव्य शुभारंभ हुआ,पहले दिन आयोजित भव्य कलश शोभायात्रा में जनसैलाब उमड़ पड़ा।जिससे पूरा क्षेत्र शिवमय हो गया।इसके बाद शोभायात्रा ढोल-नगाड़े, गाजे-बाजे और पारंपरिक वाद्यों की गूंज के साथ मंदिर प्रांगण से रवाना हुई। यात्रा में शामिल सैकड़ों महिला व पुरुष श्रद्धालु हर-हर महादेव के जयकारे लगा रहे थे। शोभा यात्रा शिक्षक नगर आमदी से होते हुए पुराना आमदी शीतला मंदिर तालाब के तट पर पहुंची।मार्ग में जगह-जगह पुष्प वर्षा कर श्रद्धालुओं का स्वागत किया गया।शीतला मंदिर तट पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कलश में जल भरा गया। इसके पश्चात सिर पर मंगल कलश धारण कर श्रद्धालु पैदल वापस मंदिर प्रांगण पहुंचे। आयोजन समिति ने बताया कि शनिवार को शिव परिवार का नगर भ्रमण व विशेष पूजन हुआ।जबकि 15 फरवरी रविवार को प्राण प्रतिष्ठा,महाशिवरात्री महोत्सव और भंडारा का आयोजन किया जायेगा।मौके पर सोहन देवांगन,अवधराम देवांगन,कमलेश गोस्वामी, नीलक्ष साहू,अमित देवांगन,राकेश सोनी,सतीश वर्मा,रामसिंग पाटिये,हेमलता सिंग,अंजू सिंग , ममता देवांगन,रानू देवांगन,शिवानी गोश्वमी सहित सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद थे।

सारंगढ़ शहर में पानी सप्लाई के लिए मुख्य सड़क को बिना डिस्टर्ब किए पाइपलाइन पूर्ण

सारंगढ़ बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे के निर्देशन और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता रमाशंकर कश्यप के मार्गदर्शन में विभागीय दल द्वारा सारंगढ़ आवर्धन योजना में निरंतर काम किया जा रहा है, जिससे आने वाले दिनों में सारंगढ़ शहर को 20 किमी दूर महानदी से सीधा पानी मिलेगा। इसके लिए बाजार चौक पर 2 लेन सड़क को बिना डिस्टर्ब किए 2 लेन सड़क के 3 मीटर नीचे से 37 मीटर का सुरंग बनाया और पाइप लाइन का काम एक सप्ताह में पूरा कर लिया गया है, यह बड़ा कार्य हुआ, जिससे सड़क को नुकसान नहीं हुआ है।

इस कार्य में विभाग के ठेकेदार रुद्रा कंस्ट्रक्शन द्वारा मेहनत बहुत किया गया है। कोलकाता, राउरकेला से श्रमिक बुलाये गए। सड़क के डेढ़ मीटर नीचे सुरंग बनाने पर बरसों का सड़क का सीसी रोड था, फिर नीचे 2.5 मीटर में सुरंग किया गया। अब पाइप लाइन का काम पूरा होने पर जलागार से फ़िल्टर होकर पानी घरों में पहुंचेगा।

//न्यायालय तहसीलदार उप तह. भंवरपुर, जिला- महासमुंद //
// ईश्तहार //

क्र./1205/क्र./वा.-1/तह./2026, दिनांक 13.02.2026

एतद द्वारा सर्वसाधारण के लिए सूचनार्थ प्रकाशन कराया है कि आवेदक/ मायालता नेती पिता/ पति जागेश्वर निवासी ग्राम खुसरूपाली तह. बसना द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि आवेदक/ आवेदिका अपने सास भागवती का दिनांक 05.05.22 को स्थान खुसरूपाली में मृत्यु हुआ है। उक्त मृत्यु का पंजीयन नहीं हो पाने के कारण उक्त तिथि में सास भागवती के मृत्यु की घटना पंजीकृत किए जाने हेतु इस न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किया है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो तो वे स्वयं या अभिभावक के माध्यम से दिनांक 27.02.2026 को उपस्थित पेश कर सकते है। बाद में प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 13.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार
बसना

मुहर

पुलवामा शहीदों की स्मृति में शंकर मंदिर परिसर में श्रद्धांजलि सभा एवं श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन

मुंगेली(समय दर्शन)। पुलवामा आतंकी हमले में शहीद हुए वीर सपूतों की पावन स्मृति में शंकर मंदिर मल्लाह पारा मुंगेली में राष्ट्रीय सेवा योजना (ह्स्स्) के स्वयंसेवकों द्वारा श्रद्धांजलि सभा एवं श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में स्वयंसेवकों ने शहीदों की वीरता को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की और मंदिर परिसर की स्वच्छता एवं सौंदर्यीकरण हेतु श्रमदान किया।कार्यक्रम की शुरुआत शहीदों के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर और दो मिनट का मौन रखकर की गई। इस अवसर पर सभी उपस्थित लोगों ने राष्ट्र की एकता और अखंडता की शपथ ली और सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम में मंदिर समिति के संयोजक राजेश नामदेव ने शहीदों के बलिदान की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को राष्ट्रहित में सदैव तत्पर रहने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि पुलवामा के शहीदों का बलिदान देशवासियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा।

राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी गोचंद पटेल ने इस आयोजन के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन युवाओं में देशभक्ति, सामाजिक जिम्मेदारी और सेवा भावना को जागरूक करते हैं।सभी ने देश की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदों को नमन करते हुए कार्यक्रम का समापन किया। कार्यक्रम में स्वयंसेवकों की बड़ी संख्या उपस्थित रही, जिनमें सुलेखा कांत, दिव्या नामदेव, करीना, हेमलता, प्रीति, धर्मराज, सपना, राजसिंह, परिनियन, आकाश, केशव, भूपेंद्, ओमसागर, सुरज, आनंद, आस्था, दीपिका, रागनी, गोपाल, रामसिंह, पुष्पराज, रितेश, रनिया सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवक शामिल थे।

सहसपुर में महाशिवरात्रि पर्व पर रविवार को लगेगा भव्य मेला

साजा (समय दर्शन)। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी देवकर समीपस्थ ग्राम सहसपुर में कल्चुरी नागवंशी कालीन (13वीं व 14वीं शताब्दी) का दो भव्य प्राचीन मंदिर प्रांगण पर भगवान भोलेनाथ की महती अनुकंपा से महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर 12 फरवरी से 14 फरवरी तीन दिवसीय श्री राम का आयोजन किया गया। श्री राम कथा का समापन शनिवार को हुआ। 15 फरवरी को प्राचीन शिव मंदिर प्रांगण पर भव्य मेला का आयोजन किया गया है। महाशिवरात्रि पर्व पर रविवार को ब्रम्हमुहूर्त से भगवान श्री भोलेनाथ जी का जलाभिषेक एवं सत्यनारायण कथा पूजा एवं पूर्णाहुति, शाम 6 बजे से भगवान शिव जी की महाआरती का आयोजन रखा गया है। रात्रिकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम कन्हारपुरी राजनांदगांव की प्रस्तुति ' धरोहर ' महादेव हिरवानी का कार्यक्रम रखा गया है। भव्य मेला की तैयारी को लेकर स्वयं भू प्राचीन शिव एवं हनुमान मंदिर सेवा समिति एवं समस्त ग्रामवासी सहसपुर , सुरक्षा व्यवस्था पुलिस चौकी देवकर ने आयोजन की तैयारी पूर्ण कर ली है। सरंक्षक सरपंच चैतराम गेन्ड्रे ने मेले में पधारने के लिए समस्त आंगतुकों को सादर आमंत्रित किया है।

महाशिवरात्रि पर बाबा भूतेश्वरनाथ की निकलेगी दिव्य पालकी

हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजेगा गरियाबंद

गरियाबंद (समय दर्शन)। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर गरियाबंद में आस्था और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा।छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध शिवधाम भकुरा बाबा भूतेश्वरनाथ मंदिर से इस वर्ष भव्य पालकी यात्रा निकाली जाएगी।उज्जैन महाकाल की तर्ज पर इस बार बोल भी बम सेवा समिति ने महाशिवरात्रि के दिन बाबा भूतेश्वर नाथ की पालकी के साथ भोलेनाथ की बारात निकालने की नई परंपरा की शुरुआत की है।पालकी मरौदा से निकलकर गरियाबंद पालिका क्षेत्र का भ्रमण करेगी।यात्रा मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा पालकी का पुष्पवर्षा और आरती के साथ स्वागत किया जाएगा।आयोजन समिति के अनुसार, यह तृतीय वर्ष है जब बाबा भूतेश्वर नाथ जी की पालकी नगर भ्रमण पर निकलेगी। महाकाल की असीम कृपा से आयोजित इस कार्यक्रम को लेकर पूरे नगर में उत्सव जैसा माहौल है। नई परंपरा आकर्षण और आस्था का केंद्र बनती जा रही है,जिससे बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

इस झांकी के दौरान महाराष्ट्र की सुप्रसिद्ध जय महामाया झांकी,नागपुर,वीर हनुमान झांकी,नागपुर स्वर सम्राट वादी किंग धूमाल,नागपुर रवि ऑडियो, अभनपुर,भव्य आतिशबाजी और छत्तीसगढ़ की पारंपरिक नृत्य राउत नाचा आकर्षण का केंद्र रहेगा। बोल बम सेवा समिति गरियाबंद के तत्वावधान में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में अभिषेक तिवारी, यश मिश्रा,सानू निकेश सिन्हा,आशीष देवंशी, शुभम देवंशी,आशीष सिन्हा,अंकित देवांगन,अजय राठौर,नमन सेन,वंश दासवानी,मानव निर्मलकर, दानेंद्र चौहान,प्रशान्त राठौर,पंकज पाटिल,जय पटेल,प्रांजल साहू,कबीर सोनी,अनुराग सोनी, ओंकार सोनी,श्रेयांश सोनी,रोमी सिन्हा,अमन सरवा विकाश पांडेय,विकास पिंजरा,विकाश यदु, राज डे, चन्दन, आयुष,पप्पू,शुभम सांग, मयंक सोनी,सुजल कोठारी,तरुण देवांगन,अभिनव देवांगन,नवीन साहू और खुशाल साहू की सक्रिय भूमिका रहेगी। वही आयोजन समिति ने सभी श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे महाशिवरात्रि के इस पावन अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर बाबा भूतेश्वर नाथ का आशीर्वाद प्राप्त करें। गरियाबंद में इस बार महाशिवरात्रि केवल एक पर्व नहीं, बल्कि भक्ति, परंपरा और सांस्कृतिक वैभव का विराट उत्सव बनने जा रही है।

शास.प्राथ. विद्यालय छातापठार में मातृ-पितृ पूजन सह अभिभावक सम्मेलन सम्पन्न

सरायपाली (समय दर्शन)। शनिवार को मातृ पितृ पूजन दिवस के पुनीत अवसर पर बसना के दक्षिण में संचालित शास. प्राथ.विद्यालय छातापठार में मातृ पितृ पूजन दिवस सह अभिभावक सम्मेलन आयोजित किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां वीणापाणि, मां भारती,छत्तीसगढ़ महतारी के तैलचित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री पुरुषोत्तम साहू (सरपंच ग्रा.प.हरदा) द्वारा अपने उद्बोधन में अभिभावकों को कहा कि घर परिवार का वातावरण बच्चों के अनुकूल रखें।विशिष्ट अतिथि श्री सहदेव सिदार जी ने छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि विद्यालय विकास में समुदाय की भूमिका अहम होती है।संकुल समन्वयक श्री त्रिलोचन पटेल जी ने पालकों से आग्रह किया कि जिन बच्चों के अपार आई.डी., जाति प्रमाण पत्र,छात्रवृत्ति संबंधी कोई समस्या हो तो विद्यालय में समन्वय स्थापित कर शीघ्र पूर्ण कर लेवें।

मातृ-पितृ पूजन कार्यक्रम के लिए उपस्थित अभिभावकों में 21माता- पिता के युग्म का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ छात्रों द्वारा पूजन अर्चन किया गया।जिसमें मुख्य रूप से सपत्निक उपस्थित रहे श्रीमति दुलेश्वरी पुरुषोत्तम साहू, श्रीमती द्रोपती सहदेव सिदार, श्रीमती रामेश्वरी धनुर्धर सिदार, श्रीमती टिकाबाई दिगम्बर साहू, श्रीमती रजनी अमरनाथ साहू, श्रीमती तुलसी जागेश्वर साहू, श्रीमती दुलेश्वरी कुश कुमार साहू, श्रीमती पुष्पा परमानंद सिदार, श्रीमती भुनेश्वरी भरत साहू, श्रीमाती सुकवारा सत्ते सिंह सिदार, श्रीमती सुशीला सेतकुमार साहू, श्रीमती जानकी ताराचंद साहू, श्रीमती पद्मा रमेश प्रकाश साहू, श्रीमती धनमोती परीक्षित साहू, श्रीमती मनीषा रथलाल साहू, श्रीमती नंदनी कमल कुमार साहू, श्रीमती कुमारी टुकेश्वर बघेल, श्रीमती चैतीन फिरत बघेल, श्रीमती सुकवारा दिलीप जांगडे एवं विद्यालय प्रबंध समिति के पदाधिकारिय,सदस्य ,प्रधानपाठक श्री के.के.साव,शिक्षा दूत कु.निशा मानिक पूरी,कु.गिरजा साहू,उपस्थित रहे।पूरे कार्यक्रम का सफल संचालन संतोष कुमार कहार द्वारा किया गया।अंत मे श्री धनुर्धर सिदार ह्यद्वष अध्यक्ष द्वारा आभार ज्ञापित कर कार्यक्रम के समाप्ति घोषणा किया गया।

स्मार्ट मीटर जागरूकता शिविर में 113 उपभोक्ताओं ने डाउनलोड किया मोर बिजली ऐप, 25 शंकाओं का मौके पर हुआ समाधान

दुर्ग(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, दुर्ग क्षेत्र के अंतर्गत बघेरा जोन के तहत गया बाई गवर्नमेंट स्कूल के सामने आयोजित स्मार्ट मीटर जागरूकता पखवाड़ा शिविर उपभोक्ताओं के लिए बेहद मददगार साबित हुआ। बिजली विभाग द्वारा आयोजित इस विशेष शिविर में न केवल तकनीक के प्रति जागरूकता बढ़ी, बल्कि मौके पर ही शिकायतों का निपटारा कर उपभोक्ताओं को त्वरित राहत प्रदान की गई।

शिविर के दौरान उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर की बारीकियों से अवगत कराया गया, जिसके परिणामस्वरूप कुल 113 उपभोक्ताओं ने मौके पर ही अपने मोबाइल में ''मोर बिजली ऐप'' डाउनलोड किया। अधिकारियों ने उन्हें ऐप के माध्यम से बिजली खपत की रियल-टाइम मॉनिटरिंग और ऑनलाइन बिल भुगतान की प्रक्रिया सिखाई। शिविर में अपनी शंकाएं लेकर पहुंचे 25 उपभोक्ताओं की शंकाओं का विभागीय अधिकारियों द्वारा मौके पर ही समाधान किया गया। कार्यक्रम में 63 उपभोक्ताओं ने स्मार्ट मीटर की उपयोगिता और विभाग की इस पहल पर अपना सकारात्मक फीडबैक दर्ज कराया।

शिविर में स्थानीय पार्षदों और बिजली विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। जनप्रतिनिधियों में पार्षद वार्ड नंबर 03 गया नगर श्री नरेंद्र बंजारे और पार्षद वार्ड नंबर 04 राजीव नगर श्रीमती लीना दिनेश देवांगन शामिल हुए। विभागीय टीम का नेतृत्व अधीक्षण अभियंता, नगर वृत्त दुर्ग श्री जे. जे. प्रसाद और कार्यपालन अभियंता, नगर संभाग दुर्ग श्री आर. के. दानी ने किया। साथ ही कार्यपालन अभियंता सुश्री गीता ठाकुर, सहायक अभियंता श्रीमती अंजू देसाई, कनिष्ठ अभियंता श्रीमती कुमुद और श्री सुरेश सोनी ने उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर के लाभ समझाए। अधिकारियों ने जानकारी दी कि स्मार्ट मीटर न केवल सटीक बिलिंग सुनिश्चित करता है, बल्कि उपभोक्ताओं को अपनी बिजली खपत पर नियंत्रण रखने की शक्ति भी देता है।

खड़ी ट्रक से टकराई बाइक, तीन युवकों की मौके पर मौत

बालोद (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में शुक्रवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा दल्लीराजहरा थाना क्षेत्र के जमही टोल प्लाजा के पास हुआ, जहां तेज रफ्तार मोटरसाइकिल सड़क किनारे खड़ी ट्रक से जा टकराई। मिली जानकारी के अनुसार, तीनों युवक कुसुमकसा की ओर से अपने गांव गुजरा लौट रहे थे। इसी दौरान उनकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़ी ट्रक से भिड़ गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार तीनों युवकों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही दल्लीराजहरा पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए मर्चुरी भिजवाया। रात अधिक होने के कारण पोस्टमार्टम शनिवार सुबह किए जाने की बात कही गई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतकों की पहचान विनोद , प्रशांत और हरीश के रूप में हुई है।

चीजगांव में श्री राम कथा प्रारंभ, महिलाएं कलश यात्रा में हुई शामिल

साजा (समय दर्शन)। थानखम्हरिया समीपस्थ ग्राम चीजगांव में साहू परिवार में संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन 14 फरवरी 2026 से 22 फरवरी तक दोपहर 1 बजे से हरि इच्छा तक संगीतमय श्री राम कथा महोत्सव का आयोजन किया गया है। स्वर्गीय सीताराम साहू- स्व.भगवंतीन बाई साहू, स्व.बिजेन्द्र साहू एवं स्व. डाकवर साहू के स्मृति में साहू परिवार द्वारा श्री राम कथा का आयोजन रखा गया है।इस नौ दिवसीय महोत्सव के कथा व्यास श्री क्षमानिधी जी महराज रायपुर (ठेलका बेलतरा), परायणकर्ता श्री विकास पांडेय (गुमा) व ग्राम पुरोहित महाराज चेतन शर्मा (बरगा) होंगे। उनके सानिध्य में श्री राम कथा का वाचन न केवल श्रद्धा का संचार करेगा बल्कि सनातन मूल्यों, मर्यादा और सामाजिक समरसता का जीवंत संदेश भी जनमानस तक पहुंचाएगा। आयोजन की शुरुआत 14 फरवरी को मातृशक्तियों द्वारा कलश यात्रा से हुई। यह शोभा यात्रा दोपहर शाम 5:30 बजे से शुरू होकर ग्राम के प्रमुख मार्गों से होते हुए तालाब पहुंचे एवं पुन: शोभा यात्रा आयोजन स्थल पर पहुंची व शोभायात्रा सम्पन्न हुआ। 14 फरवरी से 22 फरवरी तक प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से हरि इच्छा तक श्री राम कथा का भावपूर्ण, ओजस्वी एवं संस्कार पूर्ण वाचन होगा । श्रद्धालुओं की संभावित उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए आयोजकों ने कथा पंडाल , बैठने की समुचित व्यवस्था, सुरक्षा के व्यापक इंतजाम एवं स्वच्छता के उच्च मानक तैयार किये हैं। आयोजक खेमूराम साहू, डॉ पीलाराम साहू, घनश्याम साहू एवं राजेश साहू श्रद्धालुओं को आयोजन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। इस तरह के पवित्र महोत्सव को लेकर सभी में हर्षोल्लास का माहौल बना हुआ है।

//न्यायालय तहसीलदार पाटन, जिला-दुर्ग (छ.ग.)//

रा.प्र.क्र./ 2026021009000047/ ब/121 वर्ष 2025-26

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्वसाधारण एवं ग्राम अमलेश्वर प.ह.नं. 03 तहसील -पाटन जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकषित किया जाता है कि आवेदक नरेन्द्र त्रिपाठी पिता रामअवतार त्रिपाठी निवासी अमलेश्वर तहसील पाटन जिला दुर्ग द्वारा अपने पुत्र जयप्रकाश त्रिपाठी के लिए आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए निर्धारित 10 प्रतिशत आरक्षण का लाभ प्राप्त करना चाहता है। आवेदक द्वारा अपने आवेदन के साथ आधारकार्ड, आय प्रमाण पत्र, निवासी प्रमाण पत्र तथा मार्कशीट कि छायाप्रति के साथ आवेदन आधार पर प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: आवेदक नरेन्द्र त्रिपाठी पिता रामअवतार त्रिपाठी निवासी अमलेश्वर तहसील पाटन द्वारा प्रस्तुत आवेदन के आधार पर आवेदक के पास 5 एकड़ या उससे अधिक की कृषि भूमि ना हो, 1000 वर्गफीट या इससे अधिक का आवासीय फ्लैट ना हो , अधिसूचित नगरपालिकाओं में 100 वर्ग गज अथवा इससे अधिक का आवासीय प्लॉट ना हो, अधिसूचित नगरपालिकाओं से भिन्न क्षेत्रों में 200 वर्ग गज अथवा इससे अधिक का आवासीय प्लॉट ना हो, ऐसी स्थिति में उपरोक्तानुसार प्रमाण पत्र प्रदान किसे जाने में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 26.02.2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 13.02.2026 को जारी किया गया।

तहसीलदार
पाटन,जिला दुर्ग (छ.ग.)

मुहर

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण): प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित

अपूर्ण आवासों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश

मुंगेली(समय दर्शन)। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत जिला पंचायत सभाकक्ष में आवास निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय के निर्देशानुसार सहायक परियोजना अधिकारी एल.के. कौशिक ने बैठक में 2024-26 के अंतर्गत स्वीकृत अप्रारंभ एवं अपूर्ण आवासों की ग्राम पंचायतवार गहन समीक्षा की। उन्होंने सभी अप्रारंभ आवासों को अनिवार्य रूप से प्रारंभ कराने तथा वित्तीय वर्ष 2024-26 में द्वितीय किश्त प्राप्त कर चुके हितग्राहियों के आवासों को भी हर हाल में शीघ्र पूर्ण कराने कहा। उन्होंने तकनीकी सहायकों एवं आवास मित्रों को निर्देशित किया कि जिन हितग्राहियों के आवास अप्रारंभ या अपूर्ण हैं और जो पलायन पर हैं, उनसे मोबाइल एवं व्हाट्सऐप के माध्यम से संपर्क कर शीघ्र कार्य प्रारंभ/पूर्ण कराया जाए। बैठक में 28 जनवरी को आयोजित पूर्व बैठक से लेकर 13 फरवरी तक (15 दिवस) की प्रगति का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया गया। सहायक परियोजना अधिकारी कौशिक ने आवास निर्माण की गुणवत्ता को लेकर भी सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की अनियमितता, लापरवाही या गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, निर्माण की प्रगति के अनुरूप समय-सीमा में किश्त की राशि जारी करने के निर्देश दिए। जिन आवासों का कार्य निर्धारित समय में पूर्ण नहीं होगा, उनके लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर दंडात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में आवास चौपाल नोडल अधिकारी, अनुविभागीय अधिकारी (ग्रामीण यांत्रिकी सेवा), सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय छात्रे (ईआरईएस) राजीव तिवारी, तकनीकी सहायक एवं आवास मित्र उपस्थित रहे।

18 लीटर कच्ची महुआ शराब के साथ महिला आरोपी को किया गिरफ्तार

गरियाबंद (समय दर्शन)। गरियाबंद पुलिस का नषे के विरूद्ध ''नया सवेरा'' अभियान अंतर्गत वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा समस्त थाना प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्रातंर्गत अवैध शराब, गांजा एवं नषीली पदार्थों के परिवहन एवं बिक्री करने वालों पर कड़े कार्यवाही एवं प्रतिबंध लगवाने के संबंध में निर्देष दिये गये थे ।जिसके परिपालन में समस्त थाना प्रभारी अपने अपने थाना क्षेत्रों में मुखबीर एवं पेट्रोलिंग को सक्रिय किये है। जिसमे 13 फरवरी को थाना प्रभारी सिटीकोतवाली गरियाबंद को मुखबिर सूचना मिला कि ग्राम छिन्दौला निवासी सुनिता सोनवानी पति स्व.जगमोहन सोनवानी उम्र 36 साल निवासी छिन्दौला थाना गरियाबंद अपने घर के कमरा में अवैध रूप से बिक्री करने हेतु कच्ची महुआ शराब छुपाकर रखा है ।जिसकी सूचना तस्दीकी वास्ते हमराह स्टाफव मौके पर मिले गवाहन को जानकारी देकर हमराह लेकर मौका पर जाकर घेराबंदी किया। घटना स्थल से संदेही सुनीता सोनवानी को विधिवत कार्यवाही करते उसके कब्जे से एक पीला रंग प्लास्टिक जरकीन,एक हरा रंग प्लास्टिक जरकीन,एक लाल रंग के प्लास्टिक जरकीन से कुल 18 लीटर कच्ची महुआ शराब मिला ।उक्त उक्त शराब को समक्ष गवाहन के जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया ।आरोपी महिला सुनिता सोनवानी पति स्व.जगमोहन सोनवानी उम्र 36 साल निवासी छिन्दौला थाना गरियाबंद का कृत्य अपराध धारा 34(2) छ0ग0 आबकारी एक्ट का पाये जाने से अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

पूर्व मुख्यमंत्री श्यामा चरण शुक्ला व पुलवामा शहीदों को कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि

दुर्ग (समय दर्शन)। जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग (शहर) द्वारा आज भारत के पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं अविभाजित मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री पंडित श्यामा चरण शुक्ला जी की पुण्यतिथि तथा पुलवामा आतंकी हमले में शहीद हुए वीर जवानों की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित कांग्रेसजनों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग शहर के अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल ने अपने संबोधन में कहा कि पंडित श्यामा चरण शुक्ला का जीवन सादगी, जनसेवा और संघर्ष की मिसाल रहा है। अविभाजित मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने किसानों, श्रमिकों और आम नागरिकों के हितों को सर्वोपरि रखा। उनका राजनीतिक जीवन सामाजिक समरसता, विकास और जनकल्याण के प्रति समर्पण का प्रतीक रहा है। छत्तीसगढ़ की राजनीतिक चेतना में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

धीरज बाकलीवाल ने पुलवामा हमले में शहीद हुए 40 सीआरपीएफ जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि देश की सुरक्षा में अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीर जवानों का बलिदान कभी व्यर्थ नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के विषय पर राजनीतिक लाभ लेने के बजाय ठोस, पारदर्शी और जवाबदेह नीति अपनाई जानी चाहिए। शहीदों के परिजनों को न्याय, सम्मान और समुचित सहयोग प्रदान करना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने आगे कहा कि देश की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए सभी राजनीतिक दलों को मिलकर कार्य करना चाहिए, ताकि शहीदों का बलिदान सदैव राष्ट्र की प्रेरणा बना रहे।

कार्यक्रम में प्रदेश महामंत्री राजेंद्र साहू, दीपक दुबे, संजय कोहले, अलताफ अहमद, अब्दुल गनी, गुरदीप सिंह भाटिया, श्रीमती देवश्री साहू, सुशील भारद्वाज, राहुल शर्मा, अशोक मेहरा, गणेश सोनी, खुर्शीद अहमद, प्रीतम देशमुख, आनंद कपूर ताम्रकार, संजय बत्रा, विनोद राणा, इमरान मीर, रत्ना नारमदेव, नरेंद्र सोनकर, राकेश साहू, नंदा भवानी, गौरव उमरे सहित कांग्रेस पदाधिकारीगण, पार्षदगण एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अंत में सभी ने शहीदों की स्मृति में राष्ट्र की एकता और सद्भाव बनाए रखने का संकल्प लिया।

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 से शहरी गरीबों को मिलेगा स्थाई आशियाना- विजय शर्मा

कवर्धा (समय दर्शन)। अंबेडकर चौक से लेकर समनापुर मार्ग तक निर्माण होने वाले बीटी रोड व नाली निर्माण भूमिपूजन कार्यक्रम में पहुंचे उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने प्रधानमंत्री आवास निर्माण के संबंध में बताया कि केंद्र सरकार द्वारा प्रारंभ की गई प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 शहरी क्षेत्रों में निवासरत गरीब एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए एक बड़ी राहत लेकर आई है। इस योजना के माध्यम से वर्षों से कच्चे मकानों में रह रहे पात्र नागरिकों को पक्का, सुरक्षित और सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि अब प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पात्र लोगों के लिए आवास स्वीकृत होने का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है। उन्होंने बताया कि जो लोग जिस स्थान पर काबिज हैं और वहां समेकित कर, बिजली बिल तथा संपत्ति कर जमा कर रहे हैं या जिनके पास पुराना पट्टा है लेकिन उसका नवीनीकरण नहीं हुआ है, ऐसे सभी पात्र लोगों का प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किया जाएगा। नगर पालिका द्वारा उन्हें कब्जे का प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा, जिसके बाद आवास की स्वीकृति में किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होगी।

उप मुख्यमंत्री ने बताया कि योजना का लाभ उन हितग्राहियों को मिलेगा, जो 31 अगस्त 2024 से पूर्व आबादी (प्रचलित/सुरक्षित) भूमि पर निवासरत हैं तथा जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय 3 लाख रुपए तक है। पात्र हितग्राहियों के चयन के लिए नगर पालिका द्वारा पात्र हितग्राही प्रमाण-पत्र जारी किया जाएगा, जिसके लिए हितग्राही को भूमि पर निवास से संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। जिन परिवारों के पास देश में कहीं भी पक्का आवास उपलब्ध नहीं है, वही इस योजना के अंतर्गत पात्र होंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि पूर्व में केंद्र या राज्य सरकार की किसी भी आवास योजना का लाभ लेने वाले हितग्राही इस योजना के लिए अपात्र माने जाएंगे। एक परिवार को केवल एक ही आवास योजना का लाभ दिया जाएगा।

योजना के क्रियान्वयन में पूर्ण पारदर्शिता

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि योजना के क्रियान्वयन में पूर्ण पारदर्शिता बरती जाएगी। वास्तविक जरूरतमंदों को योजना से जोड़ा जा सके। पात्र हितग्राहियों को शासन द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुसार आवास निर्माण के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने नगर पालिका अध्यक्ष को कहा कि ऐसे सभी लोगों को शीघ्र प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत हितग्राहियों को 2 लाख 36 हजार रुपए की सहायता दी जाएगी, जिससे वे अपने अनुरूप बेहतर घर बना सकेंगे। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि तालाब पार, सड़क सीमा, हाईटेंशन लाइन या अन्य शासकीय योजनाओं से प्रभावित भूमि पर स्थित कच्चे आवासधारियों को लाभार्थी आधारित निर्माण घटक के बजाय किफायती आवास (एएचपी) घटक में सम्मिलित किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबके लिए आवास के संकल्प को साकार करने की दिशा में प्रधानमंत्री आवास योजनादृशहरी 2.0 एक सशक्त कदम है। राज्य सरकार इस योजना को मिशन मोड में लागू कर शहरी गरीबों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

विद्यार्थियों को दी गई कानून, साइबर क्राइम और पुलिस कार्यप्रणाली की जानकारी

कोसीर थाना में शैक्षणिक भ्रमण

सारँगढ़ बिलाईगढ़-कोसीर (समय दर्शन)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भाठागांव (कोसीर) के छात्र-छात्राओं को शैक्षणिक भ्रमण के तहत थाना कोसीर लाया गया। इस दौरान थाना प्रभारी सुनीता नाग बंजारे एवं पुलिस स्टाफ द्वारा विद्यार्थियों को पुलिस की दैनिक कार्यप्रणाली, कानून की सामान्य जानकारी तथा साइबर क्राइम से बचाव के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई।

पुलिस अधिकारियों ने छात्रों को बताया कि थाना स्तर पर शिकायत दर्ज करने से लेकर जांच प्रक्रिया तक किस प्रकार कार्य किया जाता है। साथ ही वर्तमान समय में बढ़ते साइबर अपराधों—जैसे ऑनलाइन फ्रॉड, फेक कॉल, ओटीपी ठगी और सोशल मीडिया दुरुपयोग—से सतर्क रहने के उपाय भी समझाए गए।

इस अवसर पर पुलिस की समाज में भूमिका और सकारात्मक छवि (इमेज) को लेकर भी चर्चा की गई। अधिकारियों ने कहा कि पुलिस और जनता के बीच विश्वास और सहयोग से ही सुरक्षित समाज का निर्माण संभव है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने खुलकर प्रश्न पूछे, जिनका थाना प्रभारी सुनीता नाग बंजारे ने सरल और स्पष्ट शब्दों में उत्तर देकर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। अंत में सभी छात्र-छात्राओं को अनुभव क्यूआर के माध्यम से फीडबैक देने के लिए प्रोत्साहित किया गया। शैक्षणिक भ्रमण से विद्यार्थियों में कानून के प्रति जागरूकता बढ़ी तथा पुलिस कार्यप्रणाली को नजदीक से समझने का अवसर मिला।

करसा गैस गोदाम अकसर बंद, उपभोक्ता परेशान; कालाबाजारी के आरोप

पाटन (समय दर्शन)। करसा स्थित गैस गोदाम के अक्सर बंद रहने से क्षेत्र के उपभोक्ताओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गैस सिलेंडर लेने के लिए लोग एजेंसी का चक्कर लगाने को मजबूर हैं, लेकिन अधिकांश समय गोदाम बंद मिलता है। आज सुबह से कई हितग्राही गैस सिलेंडर लेने पहुंचे, लेकिन उन्हें सिलेंडर नहीं मिल सका। घंटों इंतजार के बाद भी व्यवस्था सुचारू नहीं हो पाई, जिससे लोगों में नाराजगी देखी गई।

एक हितग्राही ने बताया कि वहां मौजूद एक व्यक्ति ने उन्हें सिरसा का पता बताया और कहा कि वहां से करीब 1150 रुपये में गैस सिलेंडर मिल जाएगा। उपभोक्ताओं का आरोप है कि इस तरह गैस सिलेंडर की कालाबाजारी की जा रही है और जरूरतमंदों को परेशान किया जा रहा है। गैस सिलेंडर नहीं मिलने से उपभोक्ता खासे परेशान हैं। दैनिक उपयोग की इस आवश्यक वस्तु के लिए भटकना पड़ रहा है। हैरानी की बात यह है कि खाद्य विभाग और स्थानीय प्रशासन को इसकी खबर तक नहीं है। क्षेत्र में लगातार मॉनिटरिंग के अभाव के कारण स्थिति बिगड़ती जा रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले की जांच कर नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है।

चौथिया कार्यक्रम से लौटते समय पुल से गिरीं महिलाएं, दुल्हन की मां मलबे में दबी

शादी का माहौल मातम में बदला

सारंगढ़-बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। जिले के कोरकोटी गांव में खुशियों का माहौल उस समय मातम में बदल गया, जब चौथिया कार्यक्रम से लौट रही 5 से 6 महिलाएं अचानक पुल से नीचे जा गिरीं। हादसे में दुल्हन की मां मलबे में दब गई, जबकि अन्य महिलाएं भी घायल बताई जा रही हैं। मिली जानकारी अनुसार कोरकोटी गांव मे गीताराम पटेल के बेटे की शादी का चौथीया कार्यक्रम चल रहा था जिसमे दुल्हन पक्ष के परिवार वाले अपने गृह ग्राम गिरोदपुरी से कोरकोटी गांव आये हुए थे रात्रि मे भोजन कर तक़रीबन 8 बजे परिवार के साथ अपने घर लौट रहे थे वही कार्यक्रम स्थल के बीच एक नाला है जिसमे पुल बना हुआ था उससे पार कर रहे थे तभी पुल टुटा और महिलाएं 5 से 6 निचे गिर गई पुल के नीचे पत्थर और मलबा होने से स्थिति और गंभीर हो गई।

घटना की जानकारी मिलते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई। परिजन और ग्रामीण तत्काल मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। और तत्काल नजदीकी थाना बिलाईगढ़ को सुचना दिया गया जिसमे पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घायलों को बाहर निकलने मे जुट गई लेकिन एक महिला निचे मलबे मे दब गई जिसका पता नहीं चला पुलिस ने एन डी आर एफ की टीम बुलाई और खोजबीन शुरू कर दी उसके बाद काफी मशक्कत के बाद सुबह मलबे में दबी दुल्हन महिला को बाहर निकाला गया। घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। लेकिन वही दुख की बात रही की मलबे मे दबी मृतिका दुल्हन की माँ बताई जा रही है जिसको मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया फ़िलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है। गांव में शादी की खुशियां अचानक चीख-पुकार में बदल गईं, जिससे पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है।

चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध जिला अस्पताल महासमुंद में सोनोग्राफी चिकित्सक नही होने से भटक रहे मरीज

महासमुन्द (समय दर्शन)। केन्द्र सरकार ने आकांक्षी जिलो में स्वास्थ्य सुविधा बेहतर प्रदान करने के उद्देश्य से आकांक्षी जिला महासमुंद में शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय खोला गया है।

परन्तु मेडिकल कालेज में पिछले 14 दिनों से सोनोग्राफी कक्ष में नोटिस चस्पा कर दिया गया है कि, सोनोग्राफी चिकित्सक नही होने के कारण सोनोग्राफी सुविधा अनिश्चितकालीन के लिए बंद कर दी गयी है। जिससे मरीजो को काफी दिक्कत हो रही है और मरीज सोनोग्राफी के लिए ज्यादा पैसा खर्च कर निजी अस्पतालो में जाने को मजबूर है। आकांक्षी जिला महासमुंद में 7 मई 2021-22 में शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय खोला गया था। 380 बिस्तर वाले चिकित्सा महाविद्यालय में उडीसा, गरियाबंद, सरायपाली, बसना, पिथौरा, बागबाहरा से रोजाना ओ पी डी में 450 से 500 मरीज आते है।

यहां औसतन प्रत्येक दिन 08 गर्भवती महिलाओं का प्रसव होता है। अस्पताल में प्रत्येक दिन औसतन 35 से 40 मरीज ऐसे होते है जिनका सोनोग्राफी होना होता है । नियमानुसार गर्भवती, एक वर्ष के बच्चे का, सिनियर सिटीजन एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत किये जाने वाली सोनोग्राफी नि: शुल्क होती है एवं शेष सभी मरीजो से सोनोग्राफी के लिए 100 रुपये लिये जाते है । परन्तु सोनोग्राफी चिकित्सक के नही होने के कारण अस्पताल में 01 फरवरी से सोनोग्राफी बंद है।

जिससे जरूरतमंद गर्भवती महिलाओं, आंतरिक अंगो की जांच में किये जाने वाले सोनोग्राफी के लिए मरीजो को निजी अस्पताल जाना पड़ रहा है। जिससे मरीजो को परेशानी के साथ ज्यादा आर्थिक बोझ उठानी पड़ रही है। मरीज के परिजनो ने बताया कि सोनोग्राफी सुविधा बंद हो जाने से काफी परेशानी हो रही है।

इस पूरे मामले में अस्पताल अधीक्षक का कहना है कि, दिसम्बर में सोनोग्राफी चिकित्सक का अनुबंध समाप्त हो गया है। चिकित्सक के द्वारा एक माह का नोटिस देने के पश्चात जनवरी अंतिम सप्ताह से काम पर नही आ रहे है, जिसके कारण सोनोग्राफी सुविधा बंद है। जिसकी सूचना उच्च अधिकारियों को दे दी गयी है। जैसे से ही कोई व्यवस्था होती है तो सोनोग्राफी सुविधा चालू हो जायेगी।

गौरतलब है कि सोनोग्राफी (अल्ट्रासाउंड) अस्पताल में शरीर के आंतरिक अंगों, ट्यूमर, संक्रमण और गर्भस्थ शिशु की वास्तविक समय में, बिना दर्द और बिना हानिकारक रेडिएशन (ङ्क-ह्म्ड्ड4 की तरह) के जांच के लिए आवश्यक है। यह लीवर, किडनी, पेट की समस्याओं का निदान करने, रक्त प्रवाह का आकलन करने और बायोप्सी जैसी प्रक्रियाओं में डॉक्टरों की मदद बायोप्सी जैसी प्रक्रियाओं में डॉक्टरों की मदद करती है। बहरहाल देखना होगा कि, शासन प्रशासन कब तक चिकित्सक नियुक्त करता है और कभी तक सोनोग्राफी की सुविधा जरूरतमंद मरीजों को मिल पायेगी ?

संक्षिप्त-खबर

पाटन के ग्राम झीट में अटल डिजिटल सेवा केंद्र का शुभारंभ, ग्रामीणों को मिलेगी बैंकिंग सुविधा

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम पंचायत झीट में आज अटल डिजिटल सेवा केंद्र का शुभारंभ ग्रामीण जनों की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर ग्रामवासियों में उत्साह का माहौल देखा गया।

नए डिजिटल सेवा केंद्र के शुरू होने से अब ग्रामीणों को छोटे-मोटे बैंकिंग कार्यों के लिए बैंक तक चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। केंद्र के माध्यम से ग्रामीण अब 25 हजार रुपये तक के लेन-देन की सुविधा गांव में ही प्राप्त कर सकेंगे। इससे समय और धन दोनों की बचत होगी। इस मौके पर सरपंच राजू साहू ने कहा कि अटल डिजिटल सेवा केंद्र के प्रारंभ होने से ग्रामीणों को डिजिटल सुविधाओं का सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि सरकार की विभिन्न योजनाओं और बैंकिंग सेवाओं का लाभ अब गांव में ही आसानी से उपलब्ध होगा। ग्रामीणों ने इस पहल का स्वागत करते हुए इसे गांव के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

चीजगांव में आज महाशिवरात्रि पर्व पर मेला

साजा (समय दर्शन)। थानखम्हरिया समीपस्थ ग्राम चीजगांव में 15 फरवरी रविवार को महाशिवरात्रि पर्व पर मेला व रूद्राभिषेक का आयोजन किया गया है। मेला शिव प्रांगण जग बगीचा में होगा। आयोजन को लेकर समिति द्वारा तैयारी पूरी कर ली गई है।

अरोरा होंडा बालोद अपने 13 वर्ष किए पूर्ण, ग्राहकों को नगद छूट के साथ मिलेगा उपहार

बालोद (समय दर्शन)। विगत 50 वर्षों से निरंतर अपने ग्राहको की सेवा सम्मान व अटूट विश्वास से अरोरा ग्रुप ने अपने शहर ही नहीं आस पास की जिले में भी अपनी एक अलग पहचान बनाई है और इसी कड़ी में अरोरा होंडा बालोद अपने 13 वर्ष पूर्ण होने पर अपने सभी ग्राहकों से मिले प्यार विश्वास के लिए हृदय से धन्यवाद करता है महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर हम अपने 14 वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं इसके साथ ही बालोद में वर्षगांठ विशेष पर अपने सभी ग्राहकों के लिए निश्चित उपहार के साथ-साथ नगद छूट का लाभ भी दिया जा रहा है साथ ही होंडा गाड़ी की सर्विसिंग पर विशेष ऑफर के साथ ग्राहकों को अतिरिक्त लाभ भी दिया जा रहा है अरोरा होंडा के प्रोपराइटर लक्की अरोरा ने बताया की यह स्कीम हम अपने सभी ग्राहकों को इस पूरे महीने दे रहे हैं जहां ग्राहक अधिक से अधिक संख्या में इसछूट का लाभ ले सकते हैं और आप सबसे यही विनम्र अपील करते है कि आगे भी इसी तरह अपना प्यार विश्वास बनाए रखे।

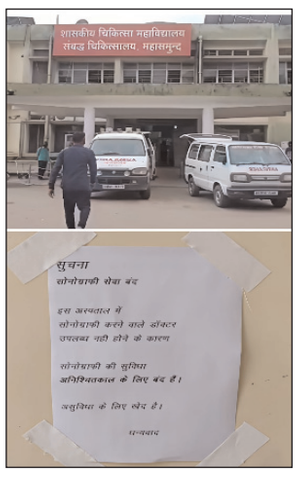

दुर्ग जिले में दिव्यांगजनों के लिए नि:शुल्क सहायक उपकरण वितरण हेतु मूल्यांकन शिविर 18 से 20 फरवरी तक

दुर्ग (समय दर्शन)। एनटीपीसी-सेल पावर कंपनी लिमिटेड के निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) योजनान्तर्गत तथा भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को), जबलपुर एवं समाज कल्याण विभाग, दुर्ग के समन्वय से जिले के दिव्यांगजनों को नि:शुल्क सहायक उपकरण प्रदान किए जाने हेतु मूल्यांकन एवं परीक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

समाज कल्याण विभाग के उप संचालक से प्राप्त जानकारी अनुसार प्रथम चरण में आयोजित शिविरों में दिव्यांगजनों का विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा परीक्षण एवं चिन्हांकन किया जाएगा। परीक्षण उपरांत पात्र हितग्राहियों को आवश्यकतानुसार सहायक उपकरण वितरित किए जाएंगे। 18 फरवरी 2026 को मंगल भवन, नगर पालिक निगम चरोदा-भिलाई (भिलाई के समीप) में शिविर आयोजित किया जाएगा, जिसमें न.पा.नि. चरोदा-भिलाई, न.पं. धमधा, ज.पं. धमधा, न.पा.प. कुम्हारी, न.पा.प. अहिवारा, न.पा.प. जामूल, न.पा.प. अमलेश्वर एवं आसपास के क्षेत्र के हितग्राही सम्मिलित होंगे। 19 फरवरी 2026 को नगर पालिक निगम भिलाई के सभागार में शिविर आयोजित होगा, जिसमें न.पा.नि. भिलाई, न.पं. उतई, न.पा.नि. रिसाली, न.पं. पाटन, ज.पं. पाटन एवं आसपास के क्षेत्र के दिव्यांगजन लाभान्वित होंगे। 20 फरवरी 2026 को सभाकक्ष, जिला जनपद पंचायत दुर्ग, पंचायत परिसर में शिविर आयोजित किया जाएगा, जिसमें न.पा.नि. दुर्ग, ज.पं. दुर्ग एवं आसपास के क्षेत्र के हितग्राही शामिल होंगे। सभी शिविरों का समय प्रात: 10:00 बजे से रहेगा।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर, समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26